मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार, 19 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख शुक्ल दो 8मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 214 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए क्या करें क्या न करे
शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा 6

पत्थर से कूचकर युवक की हत्या दहशत, जांच में जुटी पुलिस

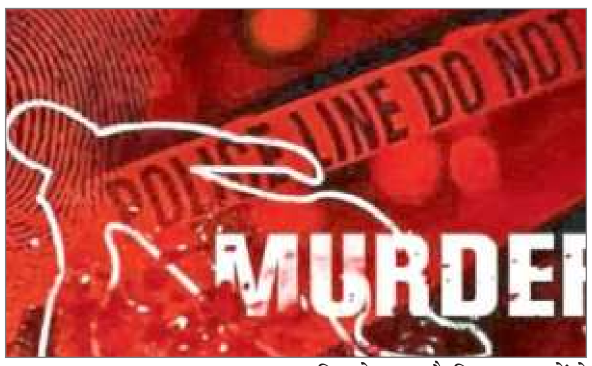

मेट्रो रेज

रांची/खूंटी: जिला खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब बीरबांकी-घाघरा रोड के किनारे एक युवक का शव बरामद हुआ। युवक की हत्या पत्थर से कूचकर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतक की पहचान कोटोबेड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय चमरा मुंडा के रूप में हुई है। मृतक की पहचान उसके भाई हेसल मुंडा ने की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उसके सिर के पीछे गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे साफ है कि हमलावरों ने बेरहमी से वारदात को अंजाम दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह टहलने निकले लोगों ने सड़क किनारे शव देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया।

शुरूआती पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक शनिवार को बीरबांकी साप्ताहिक हाट गया था। वहां उसे नशे की हालत में देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान या उसके बाद अज्ञात अपराधियों ने उसकी हत्या कर दी।

इधर, बीरबांकी ग्राम सभा के सदस्यों ने घटना पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं गांव की छवि को प्रभावित कर रही हैं। साथ ही, प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए जांच में सहयोग का भरोसा भी दिया है। वहीं, अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि एक युवक का शव बरामद हुआ है। परिजनों द्वारा शव की पहचान किए जाने के बाद पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना के हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

जमीन विवाद में महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

तमाड़: थाना क्षेत्र के बेलवेडा उदय टोला में जमीन विवाद को लेकर एक महिला की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। जांच के दौरान पता चला कि जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी को लेकर अक्सर झगड़ा होता रहता था। इसी विवाद में गुस्से में आकर आरोपी सुडी मुंडा उर्फ काटे (45 वर्ष) ने मोचोकोनी देवी की लोहे के दावली से गला काटकर हत्या कर दी। मृतका के पति बुदका मुंडा (62 वर्ष) के लिखित आवेदन के आधार पर थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का दावली बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युवक का शव बरामद

रांची: टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र के बड़ाम डेयरी फार्म के नजदीक मैदान से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। युवक के शरीर में कई जगह पर चोट के निशान है। मृतक की पहचान जोरार कैलाश नगर निवाशी जितेंद्र तिवारी के पुत्र अभिजीत तिवारी के रूप में की गई है। पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भिजवा दिया है।

बांकुरा में गरजे पीएम मोदी, कहा-

टीएमसी के गुंडों को 4 मई से पहले आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में आज प्रधानमंत्री मोदी राज्य के बांकुरा में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने राज्य की सत्ताधारी दल टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी की 'निर्मम सरकार' के खिलाफ लोगों के गुस्से में जोश झलक रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण, उनकी सुरक्षा और संरक्षा का पर्याय है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक महिलाएं राजनीति में शामिल हों।

टीएमसी ने कांग्रेस के साथ साजिश रचीः पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2029 में महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक पारित होने से रोकने के लिए टीएमसी ने कांग्रेस के साथ साजिश रची, उन्हें कांग्रेस द्वारा दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस दोनों आदिवासी विरोधी हैं, और राष्ट्रपति चुनाव के दौरान द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ उम्मीदवार खड़े किए थे। टीएमसी, जो घुसपैठियों को फायदा पहुंचाने के लिए हर कानून तोड़ती है और धर्म के आधार पर आरक्षण देती है, महिला सशक्तिकरण का विरोध करती है। टीएमसी कुर्मी समुदाय की शिकायतों को नहीं सुनती, बल्कि अपने वोट बैंक को आरक्षण देना चाहती है।

'टीएमसी के गुंडों को आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका': जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि मैं टीएमसी के गुंडों को चुनाव से पहले पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका देता हूं, क्योंकि 4 मई को परिणाम आने के बाद किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि इस साल के बंगाल चुनाव ऐतिहासिक होंगे क्योंकि जनता टीएमसी के 'भय' को खत्म करेगी और भाजपा के 'भरोसे' को जनादेश देगी। बांकुरा में चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो वह पीएमएवाई के तहत महिलाओं को घर बनाने के लिए 1।5 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो महिलाओं को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। अगर किसी महिला के परिवार में किसी को गुर्दे की बीमारी है, तो उन्हें सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। इसका एक भी रुपया खर्च नहीं होगा। बंगाल की बहनों को हर साल 36,000 रुपये मिलेंगे। गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये दिए जाएंगे। केंद्र सरकार भी बहनों को संतान प्राप्ति के बाद उनकी बेटियों की शिक्षा के लिए 5,000 रुपये देगी। कुल मिलाकर 50,000 रुपये दिए जाएंगे।।। मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 20 लाख रुपये मिलेंगे। कृषि से जुड़ी महिलाओं को सालाना 9,000 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।।। भाजपा की दो इंजन वाली सरकार बंगाल की बहनों को दोहरा जनादेश देने जा रही है।'

चारधाम यात्रा आज से शुरू गंगोत्री-यमुनोत्री के खुले द्वार

22- 23 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट

देहरादून : उत्तराखंड की पवित्र चारधाम यात्रा 2026 का विधिवत शुभारंभ आज, 19 अप्रैल से हो गया है। हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ माने जाने वाले अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सबसे पहले गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी इस यात्रा की औपचारिक शुरूआत हो चुकी है। चारधाम यात्रा के अंतर्गत शेष दो प्रमुख धामों के कपाट खुलने की तिथियां भी निर्धारित हैं। केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खोले जाएंगे, जबकि बद्रीनाथ धाम के द्वार 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इन तिथियों का श्रद्धालु हर वर्ष बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि इसके साथ ही यात्रा पूर्ण रूप से संचालित हो जाती है।

चारधाम यात्रा हिंदू धर्म की सबसे पवित्र तीर्थ यात्राओं में से एक मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इन चारों धामों के दर्शन करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करती है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित ये चारों धाम प्राकृतिक सौंदर्य और गहरी आस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं।

गंगोत्री धाम को मां गंगा का उद्गम स्थल माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ था। यहां दर्शन करने से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और जीवन में पवित्रता आती है।

यमुनोत्री धाम मां यमुना का उद्गम स्थल है। मान्यता है कि यमुना जी की पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और दीघार्यु का आशीर्वाद मिलता है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

भारत-रूस के बीच लागू हुआ समझौता

3000 सैनिक, 5 युद्धपोत और 10 विमान होंगे तैनात

नई दिल्ली/मॉस्को: भारत और रूस ने फरवरी 2025 में एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता जनवरी 2026 से लागू हो गया है। जिसके तहत दोनों देश अब एक-दूसरे के इलाके में 3,000 सैनिक और सीमित संख्या में नौसैनिक जहाज और विमान तैनात कर सकते हैं। रूस की आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल ने इसकी जानकारी दी है। रूसी संसद ने दिसंबर 2025 में इस समझौते को मंजूरी दी थी।

इस समझौते का पूरा नाम इंडो-रूसी रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट है। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में अधिकतम 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान और 3000 सैनिक एक साथ तैनात कर सकते हैं।

यह सुविधा शुरू में 5 वर्षों के लिए होगी, जिसे दोनों पक्षों की सहमति से आगे 5 वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। रूसी संसद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के प्रथम उपाध्यक्ष व्याचेस्लाव निकोनोव ने राज्य ड्यूमा में इसकी पुष्टि की।

यह समझौता दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य सहयोग को और मजबूत करेगा। खासतौर पर भारत के रूसी मूल के सैन्य उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए यह बेहद उपयोगी साबित होगा। इससे लंबी अवधि की सैन्य तैनाती भी आसान हो जाएगी।

भारत-रूस पारस्परिक लॉजिस्टिक्स विनिमय समझौता समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। फ्ध्छडर समझौता का पश्चिम एशिया संघर्ष और यूक्रेन युद्ध के बीच गहरा महत्व है, न केवल सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स (साजो-सामान) का प्रबंधन भी करता है।

लॉजिस्टिक्स के आदान-प्रदान में प्राप्तकर्ता देश द्वारा प्रदान की जाने वाली कई विशिष्ट सेवाएं शामिल हैं। युद्धपोतों के लिए, इसमें बंदरगाह और मरम्मत सेवाएं, साथ ही पानी, भोजन, तकनीकी संसाधन और अन्य आपूर्तियों की डिलीवरी शामिल है।

सैन्य विमानों के मामले में हवाई यातायात नियंत्रण, वैमानिकी डेटा, उड़ान अनुरोधों की प्रोसेसिंग, सैन्य नेविगेशन प्रणालियों का उपयोग, और विमान की पार्किंग व सुरक्षा शामिल है। विमानन ईंधन, स्नेहक और विशेष तरल पदार्थ, साथ ही खराब हुए उपकरणों की मरम्मत, प्रतिपूर्ति के आधार पर उपलब्ध कराए जाते हैं। यह समझौता जहाजों, विमानों और कर्मियों की सहायता के लिए सैन्य सुविधाओं, जिसमें हवाई अड्डे और बंदरगाह शामिल हैं, तक पारस्परिक पहुंच की अनुमति देता है।

यह भारत को रूसी नौसैनिक और हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आर्कटिक क्षेत्र भी शामिल है, और रूस को भारतीय सुविधाओं तक व्यापक पहुंच की अनुमति देता है। यह समझौता विशेष रूप से सैन्य टुकड़ियों की तैनाती को कवर करता है, जिससे संयुक्त प्रशिक्षण, आपदा राहत और संयुक्त अभियानों की अनुमति मिलती है।

बोकारो थर्मल पावर प्लांट में बड़ा हादसा

बेकाबू मालगाड़ी ने स्कॉर्पियो को चपेट में लिया, चालक ने कूद कर बचाई जान

हादसे को लेकर डीवीसी कर्मियों में गुस्सा

बोकारो: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में आज सुबह करीब 7 बजे बड़ा हादसा टल गया। किसी की जान माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन रेलवे गेट पार कर रही एक गाड़ी को मालगाड़ी ने अपनी चपेट में ले लिया। गाड़ी के ड्राइवर ने तुरंत कूद कर अपनी जान बचाई।

कोयला खाली कर एक मालगाड़ी अचानक बेकाबू होकर प्लांट के गेट को तोड़ते हुए बाहर निकल गई। जिससे तत्काल वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मालगाड़ी, ट्रैक के पास खड़ी स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मारते हुए करीब 400 से 500 मीटर उसे घसीटते हुए लेकर चली गई। स्कॉर्पियो का मालिक अमरदीप जो खुद ड्राइविंग कर रहा था, उसने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

घटना में रेलवे और रैक प्रबंधन की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दे रही है। सुबह करीब 4 बजे कोयला लदा रैक प्लांट में दाखिल हुआ था और 7 बजे खाली कर लिया गया था।

रफ्तार अधिक होने के कारण गेट तोड़ते हुए करीब 500 मीटर दूर जाकर रैक का पिछला हिस्सा बेपटरी हो जाने के कारण गाड़ी रुकी। मामला अधिक भयावह तब होता, जब मेन लाइन का गेट खुला होता क्योंकि गोमो-चोपन पैसेंजर के आने का समय था, इस कारण मेन लाइन का गेट बंद था, नहीं तो बड़ा ट्रेन हादसा हो सकता था।

घटना की जानकारी होते ही स्थानीय थाना पुलिस और रेलवे के अधिकारी, सीआईएसएफ मौके पर पहुंची। बोकारो थर्मल थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव और स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार, सीआईएसएफ निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

रैक चालक अरुण कुमार पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार ने कहा कि मामले में प्लांट के अधिकारियों से बात कर चूक कहां हुई है इसकी जांच की जाएगी।

घटना को लेकर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के खिलाफ लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। डीवीसी कर्मियों में भी गुस्सा दिखाई दे रहा है, उनका मानना है कि अगर ओवरब्रिज का उद्घाटन समय पर हो गया होता तो आज यह घटना नहीं होती।

होर्मुज में गोलीबारी से ईरान का इनकार, कहा-

भारत से 5000 साल पुराना रिश्ता, जल्द सुलझेगा मामला

नई दिल्ली/एजेंसीः ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि, डॉ। अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास भारतीय झंडे वाले दो टैंकरों पर हुई फायरिंग की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। डॉ। इलाही ने कहा कि उन्हें इस विशिष्ट घटना के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान और भारत के संबंध 5,000 साल पुराने और बेहद मजबूत हैं। उन्होंने आशा जताई कि इस मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा और ईरान हमेशा शांति का पक्षधर रहा है।

भारतीय जहाजों पर हमले पर सरकार का कड़ा रुखः

शनिवार को 'जग अर्नव' और 'सनमार हेराल्ड' नामक दो भारतीय टैंकरों पर ईरान की नौसेना द्वारा गोलीबारी की गई। ये जहाज इराक से तेल लेकर आ रहे थे। इस गंभीर घटना पर भारत ने तत्काल और कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरानी राजदूत डॉ। मोहम्मद फथली को तलब किया और अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने ईरान से आग्रह किया कि वह इस जलमार्ग से भारतीय जहाजों की आवाजाही को फिर से सुरक्षित और सामान्य बनाने के लिए कदम उठाए।

ऐतिहासिक-रणनीतिक संबंधः ईरानी राजदूत ने दोहराया कि ईरान और भारत के सांस्कृतिक, सभ्यतागत और शैक्षिक संबंध बहुत गहरे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और तेहरान के बीच आपसी बातचीत भी बहुत सफल रही है, जिससे दोनों देशों को लाभ मिलता है। राजदूत ने यह भी संकेत दिया कि वे भारत की चिंताओं को अपनी सरकार तक पहुंचाएंगे, ताकि भविष्य में शांतिपूर्ण और सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

ईरान- यूएस शांति समझौता पर सस्पेंस

फाइनल समझौते में अभी लगेगा काफी वक्तः तेहरान

नई दिल्ली/एजेंसीः ईरान और अमेरिका के बीच जल्द ही दूसरे दौर की शांति वार्ता होने की उम्मीद है। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन अंतिम समझौता होने में अभी काफी समय लगेगा। चूंकि बुधवार को दो हफ्ते का युद्धविराम खत्म हो रहा है, इसलिए दोनों पक्षों पर समझौते का दबाव है।

ईरान का दावा, अमेरिका ने हमारी मांगें मानीं: ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने स्पष्ट किया कि अभी कई बुनियादी मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। उन्होंने दावा किया कि हालिया युद्ध के दौरान ईरान का पलड़ा भारी रहा है। गालिबफ के अनुसार, अमेरिका ने युद्धविराम केवल इसलिए स्वीकार किया क्योंकि उन्होंने ईरान की शर्तें मान ली थीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रणः गालिबफ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका अपने लक्ष्य पूरे करने में नाकाम रहा है। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का पूरा नियंत्रण है।

सड़क हादसे में टेंपू चालक की मौत

चतरा: जिले के कोयलांचल एरिया टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया मुख्य सड़क पर किशनपुर के समीप शनिवार को हुए सड़क हादसे में टेंपू चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नावाडीह उर्फ तेलियाडीह पंचायत के पनहैया गांव निवासी 57 वर्षीय मथुरा साव के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मथुरा साव कुछ लोगों के साथ बोरा में सब्जियां भरकर टेंपू से केरेडारी बाजार जा रहे थे। बताया गया कि वाहन में अधिक सामान लदा था स्टेयरिंग में खराबी थी जिससे स्टेयरिंग ने काम करना बंद कर दिया । जिससे टेंपू अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।हादसे में चालक मथुरा साव टेंपू के नीचे दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया ।जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।चिकित्सक डॉ. गीतांजलि के अनुसार अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि शरीर के बाएं हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया है।

अनियंत्रित ट्रक ने पिकअप वैन को रौंदा, 5 महीने की मासूम समेत एक ही परिवार के 5 लोग गंभीर

चतरा: जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन हो रहे सड़क हादसों से जिले की सड़कों पर 'जिंदगियां नीलाम' हो रही हैं। ताजा मामला चतरा-डोभी मुख्य मार्ग की खतरनाक संघरी घाटी से सामने आया है, जहां एक अनियंत्रित ट्रक ने पिकअप वैन को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग लहूलुहान हो गए हैं। घटना आज रविवार सुबह करीब 8 बजे की है। जानकारी के अनुसार, पलामू जिले के लेस्लीगंज स्थित राजगढ़ी गांव का रहने वाला एक परिवार बालूमाथ से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही उनकी पिकअप वैन संघरी घाटी के पास पहुँची, एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कमलेश तिवारी, अंशु देवी, रणवीर तिवारी और महज 5 महीने की मासूम आंशिक कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुँची सदर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को पीसीआर वैन से सदर अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रमेश ने बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार जारी है, लेकिन चालक संतोष कुमार की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चतरा की घाटियों में भारी वाहनों की लापरवाही अब आम लोगों के लिए काल बन गई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मासूम की सूचना देने वाले युवक को थाना प्रभारी को किया सम्मानित

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस और समाज के सहयोग का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है, जहां एक लापता बच्चे की खोज में अहम जानकारी देने वाले युवक को सम्मानित किया गया। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने ग्राम जबड़ा निवासी पंकज कुमार को अपने कार्यालय में इनाम की राशि देकर सम्मानित किया। इस सम्मान को पाकर पंकज भावुक हो उठे और उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का यादगार पल है। दरअसल, 11 अप्रैल 2026 को संजय दास ने अपने 13 वर्षीय पुत्र इंद्रजीत कुमार के अचानक लापता होने की सूचना थाना में दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कांड संख्या 48/2026 दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की।

बजरंग दल का विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

खूंटी: विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शनिवार को खूंटी जिले में भी विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला सह-संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में करीब 50 कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह चौक, खूँटी पर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज उठाई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने देश में कथित तौर पर बढ़ रही लव जिहाद , अवैध भूमि कब्जा (लैंड जिहाद) और जबरन धर्मांतरण जैसी घटनाओं पर चिंता जताई। इस दौरान हाल ही में नासिक स्थित एक कॉर्पोरेट संस्थान से जुड़े मामले, उत्तर प्रदेश में सामने आए आरोपों और दिल्ली से जुड़े एक कथित आतंकी कनेक्शन का जिक्र करते हुए नाराजगी व्यक्त की गई।

कर्मवीर महतो ने कहा कि ये घटनाएं समाज और देश की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार, 20 अप्रैल 2026 को बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता जिला कलेक्टर कार्यालय, खूँटी पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। ज्ञापन में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई, अवैध कब्जों को हटाने और लव जिहाद के खिलाफ केंद्रीय कानून बनाने की मांग शामिल होगी।

प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष बिनोद जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण जायसवाल सहित बजरंग दल के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें अभय साहू, निशांत साहू, आर्य मिश्रा, तुषार मिश्रा, प्रिंस कुमार, यशवंत कुमार, रिकी कुमार, पीयूष कुमार, श्रीकांत कुमार, रुद्र मिश्रा, पवन राठौर, अभिषेक सिंह, आदर्श सिंह, नितेश कुमार और सत्यम सिंह समेत अन्य लोग शामिल थे।

कर्मवीर महतो ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और संविधान के दायरे में रहकर किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा इन मुद्दों पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन आने वाले समय में और बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता: उपायुक्त

सौरव भुवानिया ने संभाला नये उपायुक्त का पदभार, आर रोनटा को दी गई विदाई

संवाददाता

खूंटी: भारतीय प्रशासनिक सेवा 2019 बैच के अधिकारी सौरव कुमार भुवानिया ने शनिवार को खूंटी जिला के 15वें उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त आर. रोनिटा से समाहरणालय में विधिवत रूप से कार्यभार संभाला।

पदभार ग्रहण के अवसर पर समाहरणालय परिसर में एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के वरीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों द्वारा नवनियुक्त उपायुक्त का बुके देकर स्वागत किया गया, वहीं निवर्तमान उपायुक्त आर. रोनिटा को नम आंखों से भावभीनी विदाई दी गई। पदभार संभालने के पश्चात उपायुक्त सौरव कुमार भुवानिया ने समाहरणालय सभागार में अपनी पहली बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और आगामी रविवार को आयोजित होने वाली परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की।

मीडिया से बातचीत करते हुए उपायुक्त भुवानिया ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि खूंटी जिला विकास के मार्ग पर अग्रसर है और इस गति को और तेज किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

उन्होंने जिले की प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अपराध एवं अफीम की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा चुका है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सौरव कुमार भुवानिया इससे पूर्व रांची में उप विकास आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और उपायुक्त के रूप में यह उनका पहला कार्यभार है।

एचवीपी वैक्सीन जागरूकता को लेकर प्रचार रथ रवाना

स्वास्थ्य विभाग और सीआईएनआई की संयुक्त पहल

संवाददाता

खूंटी: जिले में जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिविल सर्जन कार्यालय से स्वास्थ्य विभाग एवं उक्ठक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में दो प्रचार-प्रसार रथों को रवाना किया गया। सिविल सर्जन डॉ. एल.आर. पाठक ने हरी झंडी दिखाकर इन रथों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रस्थान कराया।

इन रथों का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस, विशेषकर महिलाओं एवं किशोरियों के बीच लढश वैक्सीन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रथों में लगे ध्वनि यंत्रों के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण संदेशों का प्रसारण किया जाएगा, ताकि लोगों तक सही और आवश्यक जानकारी सरलता से पहुँच सके।

यह प्रचार अभियान विशेष रूप से मुरहू एवं अड़की प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आने वाले सभी पंचायतों में चलाया जाएगा। रथ गांव-गांव जाकर लढश वैक्सीन के महत्व, नियमित स्वास्थ्य जांच और संतुलित पोषण के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग और उक्ठक संस्था द्वारा संचालित इस पहल से समुदाय में लढश वैक्सीन को लेकर सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन आने की उम्मीद जताई जा रही है। यह अभियान महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से उब्धट कानन बाल तिर्की, उब्धट स्वेता सिंह, उब्धउ डॉ. उदयन शर्मा सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। वहीं उक्ठक संस्था की ओर से जिला कार्यक्रम प्रबंधक संगीत मिश्रा एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

तोकेन पुलिस पिकेट में स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर, जवानों ने किया रक्तदान

खूंटी: सदर अस्पताल खूंटी स्थित रक्त केंद्र के तत्वावधान में रानियां प्रखंड के तोकेन पुलिस पिकेट में स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. आनंद किशोर उरांव ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान को महादान की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही उन्होंने उपस्थित जिला पुलिस के जवानों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

शिविर के दौरान काउंसलर निशांत झा ने सुरक्षा बलों के जवानों को रक्तदान से संबंधित आवश्यक परामर्श एवं दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रक्तदान के लाभ और इससे जुड़ी भ्रांतियों को भी दूर किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 18 जवानों ने अपनी जांच कराई, जिनमें से 4 जवानों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में चंदन दास, श्रीराम यादव, रामकृष्ण यादव एवं चंद्रदेव महतो शामिल रहे।

शिविर को सफल बनाने में पूनम भेंगरा, सुजीत नाग, सुषमा कुजूर, सुनीता देवी सहित अन्य कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक माहौल देखा गया और लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ी।

चतरा के 33वें एसपी बने अनिमेश नैथानी, पदभार किया ग्रहण

अफीम तस्करी और नक्सलवाद पर सख्ती, पीपुल फ्रेंडली पुलिसिंग पर रहेगा फोकस

संवाददाता

चतरा: जिले के 33वें पुलिस अधीक्षक के रूप में अनिमेश नैथानी ने शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में विधिवत पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान एसपी सुमित कुमार अग्रवाल से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण के बाद नए एसपी ने स्पष्ट संकेत दिया कि जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के साथ-साथ आम जनता के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को बेहतर किया जाएगा। श्री नैथानी ने कहा कि उनकी प्राथमिकताएं वही रहेंगी, जो पहले से चतरा पुलिस द्वारा अपनाई जाती रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में सुमित अग्रवाल जी द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को और आगे बढ़ाया जाएगा। विशेष रूप से एंटी-नेशनल गतिविधियों और

एनडीपीएस (नारकोटिक्स) से जुड़े मामलों में जो कार्रवाई पहले की गई है, उसे और प्रभावी तरीके से जारी रखा जाएगा।नए एसपी ने कहा कि चतरा पुलिस को पीपुल फ्रेंडली बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही अन्य जिलों के मुकाबले चतरा पुलिस एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करे, इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आम जनता की पुलिस से जो अपेक्षाएं हैं, उन्हें पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में जिले में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। संगठित अपराध, अफीम तस्करी और नक्सलवाद को लेकर उन्होंने कहा कि ये सभी अपराध लंबे समय से चतरा के लिए चुनौती रहे हैं। हालांकि इन पर पहले भी प्रभावी कार्रवाई होती रही है, जिसका नतीजा है कि आज चतरा से नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन अब इसे और सख्ती और बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाएगी। यह भी कहा कि जिन अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है, चाहे वे जेल से बाहर हों या अंदर रहते हुए भी अपने नेटवर्क को संचालित कर रहे हों, उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। ऐसे संगठित अपराध के नेटवर्क को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं निवर्तमान एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि चतरा पुलिस ने टीम भावना के साथ कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए एसपी के नेतृत्व में पुलिस विभाग और भी बेहतर कार्य करेगा तथा जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा। पदभार ग्रहण के इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों ने नए एसपी का स्वागत किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि वे उनके नेतृत्व में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

इस मौके पर डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, एसडीपीओ सदर संदीप सुमन समेत पुलिस विभाग के कई अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कलश यात्रा के साथ प्रारंभ

चतरा: शहर के धंगरटोली मुहल्ला चतरा में श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठात्मक यज्ञ को लेकर शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

धंगरटोली मुहल्ला मे निर्मित शिव परिवार मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा हेतू तीन दिवसीय महायज्ञ का आयोजन शनिवार से प्रारंभ होकर 20 अप्रैल तक चलेगा इस बीच समापन दिवस पर संध्या भजन जागरण का कार्यक्रम भी रखा गया है।शनिवार को जल यात्रा सह नगर भ्रमण,मण्डप प्रवेश कार्यक्रम था। आज द्वितीया रविवार को वेदी पूजन, पाठ, अनाधिवाश,पुष्पाधिवाश,घृताधिवाश मिष्ठानिधिवाश सम्पन्न होंगें तथा 20 अप्रैल दिन सोमवार को प्रतिष्ठा, वेदी पूजन ,हवन ,प्राण प्रतिष्ठा ,पूणार्हुति, विसर्जन,भण्डारा एवं भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन होगा।कार्यक्रम की रूप रेखा विधिवत संचालित होंगे।इस यज्ञ में यज्ञाचार्य श्री अनिरुद्ध मिश्रा, वैदिक धमार्चार्य वाराणसी उत्तर प्रदेश से श्री सत्यम पाण्डेय,श्री गौतम पाठक, श्री रुप नारायण पाण्डेय एवं बुचिडाढ़ी चतरा से श्री प्रेम कुमार मिश्र इस अध्यात्मिक आयोजन में मंत्रोच्चारण कर वातावरण को शांत,अध्यात्मिक और शुद्ध करेंगे।जल यात्रा समापन के बाद सभी भक्तों को शीतल पेयजल दिया गया इस मौके पर प्रांत मार्ग प्रमुख नित्यानंद उपाध्याय जी उपस्थित रहे,उन्होंने भक्त श्रद्धालुओं के बीच स्वयं सेवा की।यज्ञ में संत श्री सिताराम शरण जी महाराज के द्वारा भक्तों को कथा रसपान कर मानव जीवन सफल बनाने का भी सानिध्य प्राप्त होगा।कार्यक्रम के निमित्त गठित यज्ञ समिति प्रबंधन में अध्यक्ष शंभू मुंडा, सचिव प्रवीण कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष साकेत कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी के दायित्व पर साहेब कुमार चौधरी,उपाध्यक्ष में भैरव प्रजापति,रघुनंदन प्रजापति, सचिव में कुश सिंह , संजय प्रजापति, संजय सिंह, मीडिया प्रभारी में रोहित चौधरी और शशि कुमार का नाम शामिल है।

20 वर्षीय युवती ने जहर खाकर दी जान प्यार में तकरार बनी मौत का कारण

खूंटी : जिले के तपकर्रा थाना क्षेत्र के कमरा गांव से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेम संबंध में चल रहे विवाद के बीच एक 20 वर्षीय युवती दुगी कुमारी ने कीटनाशक जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार, दुगी कुमारी मूल रूप से गुमला जिला की रहने वाली थी और पिछले कुछ दिनों से अपने मित्र विष्णु नाग के साथ कमरा गांव में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी।

घटना वाले दिन युवती नाराज होकर घर जाने की बात कहकर निकली और तोरपा बाजार पहुंचकर कीटनाशक खरीद लिया। इसके बाद उसने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर युवक विष्णु नाग और परिजन उसे तुरंत रेफरल अस्पताल तोरपा ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की खबर सुनते ही युवक विष्णु नाग गहरे सदमे में आ गया और वहीं बेहोश होकर गिर पड़ा। फिलहाल उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बड़ा हादसा टला, नदी में गिरा ट्रक, चालक सुरक्षित

खूंटी: जिले के खूंटी-तोरपा मुख्य मार्ग पर पेलोल स्थित बनाई नदी के डायवर्शन पुल के पास शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। राउरकेला से जमशेदपुर जा रहा एक भारी मालवाहक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर डायवर्शन से नीचे नदी में जा गिरा। दुर्घटना में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक पूरी तरह सुरक्षित बच निकला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक बीरू, जो गुमला जिले के पतराटोली का निवासी है, टाटा कंपनी के वाहन निर्माण से जुड़े भारी उपकरण लेकर राउरकेला से जमशेदपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पेलोल के पास डायवर्शन पुल पर अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक फेल होते ही चालक का वाहन पर नियंत्रण समाप्त हो गया और ट्रक रेलिंग से टकराते हुए लगभग 10 से 15 फीट नीचे नदी में जा गिरा।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे। ट्रक चालक को सकुशल बाहर निकलते देख लोगों ने राहत की सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और चालक को सुरक्षित बाहर निकालते हुए ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है। वहीं इस घटना ने एक बार फिर डायवर्शन पुलों की सुरक्षा व्यवस्था और वाहनों की तकनीकी जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि डायवर्सन के दोनों ओर काफी घुमाव है ऐसे में सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेडियम लगे दिशा निर्देश वाले बोर्ड यहां पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए जिससे रात्रि में गाड़ी चालकों को घुमाव की जानकारी पूर्व में ही मिल जाती और सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित होता।

ईंट भट्ठा संचालक से टीएसपीसी ने मांगी दस लाख रंगदारी

नहीं देने पर जान से मारने की दी धमकी

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र से रंगदारी मांगने का एक गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, इलाके के एक ईंट भट्ठा संचालक से अज्ञात अपराधियों द्वारा 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि यह मांग प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के नाम पर की गई है।

पीड़ित व्यवसायी के अनुसार, अपराधियों ने फोन के माध्यम से संपर्क कर न केवल पैसों की मांग की, बल्कि राशि नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय व्यवसायियों में भय व्याप्त हो गया है।घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित ने ओरमांझी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि रंगदारी की मांग वास्तव में किसी उग्रवादी संगठन द्वारा की गई है या फिर अपराधियों द्वारा संगठन का नाम लेकर भय पैदा करने की कोशिश की गई है। आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

पुलिस ने व्यवसायियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की धमकी मिलने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

मंडल कारा में जेल अदालत और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

ज्योति पाठक

चाईबासा: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में स्थानीय मंडल कारा में जेल अदालत और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

जेल अदालत के लिए गठित : न्यायिक दंडाधिकारी मंजीत कुमार साहु की पीठ ने प्रस्तुत मामलों की समीक्षा की। इस दौरान पुरुष और महिला बंदियों के बीच स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से चिकित्सा जांच शिविर का भी आयोजन किया गया।

राज्यपाल ने किया पुस्तक पुनर्नवा का लोकार्पण

मेट्रो रेज

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन में श्री चंद्रेश्वर द्वारा लिखित पुस्तक पुनर्नवा का लोकार्पण किया।

राज्यपाल महोदय ने लेखक को इस कृति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक पाठकों के लिए प्रेरणादायक एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

इस अवसर पर झारखण्ड विधानसभा सदस्य सीपी। सिंह, पूर्व लोकसभा सांसद रविन्द्र राय, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल - तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

झारखंड के कई वरीय आईएएस व आईपीएस अधिकारी अन्य राज्यों में भेजे गये

पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड के वरीय इस एवं खाद आपूर्ति विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा पश्चिम बंगाल एवं सीआईडी के आईजी अजय लिंडा तमिलनाडु में पद स्थापित किए गए हैं । निष्पक्ष एवं बेहतर ढंग से चुनाव कराने की जवाब देही इन दोनों झारखंड के बड़े पदाधिकारी को दिया गया है। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होना है तथा चुनाव परिणाम 4 मेई को आना है । चुनाव कराने के पश्चात राजेश कुमार शर्मा 5 मई को झारखंड लौटेंगे । वही सीआईडी के आईजी अजय लिंडा तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव कराने के पश्चात झारखंड वापस आएंगे।

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा

उपायुक्त ने विभिन्न परीक्षा केंद्रो का किया निरीक्षण

विनय मिश्रा

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली में आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का सफल एवं कदाचार रहित संचालन सुनिश्चित कराने के तदर्थ आज जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अमित रेनू के द्वारा संयुक्त रूप से चाईबासा स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में दोनों वरीय पदाधिकारी द्वारा टाटा कॉलेज- चाईबासा और सेंट जेवियर इंग्लिश स्कूल एंड जूनियर कॉलेज- चाईबासा का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के क्रम में परीक्षा केंद्र पर संधारित व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की उपस्थिति सहित सीसीटीवी व जैमर का क्रियान्वयन, बायोमेट्रिक उपस्थिति, मेडिकल टीम, पेयजल

व्यवस्था आदि बिंदुओं का गहन जायजा लिया गया। इस दौरान पदाधिकारी के द्वारा परीक्षा केंद्र पर मौजूद स्टेटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, केंद्र अधीक्षक सहित सभी संलग्न पदाधिकारी/कर्मियों को अपने-अपने कर्तव्य पर मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी संलग्न दंडाधिकारी एवं कर्मी यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा केंद्र के अंदर अथवा बाहर संधारित विधि व्यवस्था के प्रतिकूल कोई भी स्थिति उत्पन्न ना हो। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पदाधिकारियों को सभी आवश्यक दिशा-निर्देश ब्रीफिंग के दौरान साझा किया गया है। सभी का मुख्य दायित्व है कि झारखंड लोक सेवा आयोग के द्वारा निर्दिष्ट अनुदेशों का अनुपालन हो और निष्पक्ष एवं कदाचार रहित परीक्षा का संचालन सुनिश्चित हो।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी स्कूलों का समय अविलंब बदला जाये : आजसू

रांची: बढ़ती हुई भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने राज्य के सभी विद्यालयों की समय सारणी में तत्काल बदलाव करने की मांग की है।

ओम वर्मा ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान समय में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से छोटे बच्चों को इस भीषण गर्मी में स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विद्यालयों का संचालन प्रातःकालीन समय में किया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उन्होंने राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग से आग्रह किया है कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया जाए। साथ ही स्कूलों में पेयजल, शीतलन एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की। ओम वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आजसू छात्र संघ छात्रों के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

नये पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने किया पदभार ग्रहण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर/पलामू: जिले के 71वें पुलिस अधीक्षक के रूप में आईपीएस कपिल चौधरी ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने साफ कर दिया कि जिले में बेहतर पुलिसिंग और सुदृढ़ विधि-व्यवस्था उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। नए एसपी ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखना और पुलिस-जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना उनके कार्य का मुख्य उद्देश्य रहेगा। कपिल चौधरी ने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जनता से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। साथ ही क्र्ह्र 10 पलामू का भी पदभार ग्रहण किया।विधानसभा चुनाव में झारखंड के कई वरीय आइएस एवं आईपीएस अधिकारी अन्य राज्यों में हुए तैनात विनय मिश्रा पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव मैं झारखंड के वरीय इस एवं खाद आपूर्ति विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा पश्चिम बंगाल एवं सीआईडी के आईजी अजय लिंडा तमिलनाडु में पद स्थापित किए गए हैं निष्पक्ष एवं बेहतर ढंग से चुनाव कराने के जवाब देही इन दोनों झारखंड के बड़े पदाधिकारी को दिया गया है पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होना है तथा चुनाव परिणाम 4 मेई को आना है चुनाव कराने के पश्चात राजेश कुमार शर्मा 5 मेईको झारखंड लौटेंगे वही सीआईडी के आईजी अजय लिंडा तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव कराने के पश्चात झारखंड वापस आएंगे।

मां भगवती का पांचवा वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

रांची : जिले के रिंग रोड दलादिली चौक समीप अवस्थित मां भगवती मंदिर का पांचवा वार्षिक महोत्सव पर हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में दलादिली चौक दुर्गा पूजा समिति के सचिव अभिषेक मिश्रा का विशेष योगदान रहा। मौके पर दलादिली चौक दुर्गा पूजा समिति के सचिव अभिषेक मिश्रा एवं राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह एवम अभिषेक मिश्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि हम लोग मां भगवती मंदिर का प्रत्येक वर्ष वार्षिक महोत्सव मनाते आ रहे हैं। इस निमित्त इस वर्ष भी हम लोग रातु तथा नगडी क्षेत्रवासी मां भगवती का पांचवा वार्षिक महोत्सव मना रहे हैं। इस वार्षिक महोत्सव पर मां का श्रृंगार से सजाकर पूजा अर्चना की गई। मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। भंडारे का विशेष आयोजन किया गया। जिसमे सैकड़ों लोग प्रसाद ग्रहण किया। इस पुनीत अवसर पर समाजसेवी रामाशीष शर्मा, अशोक दुबे, बिरसू मुंडा, सुधीर महतो, प्रदीप कुजुर, एस बी ओझा, अजय राय, अशोक साव, विनय कुमार के साथ अन्य लोगों का योगदान सराहनीय रहा।

शहादत दिवस पर विशेष : 19 अप्रैल 1985 को फादर एंथोनी मुर्मू की निर्मम हत्या की गयी थी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चार शहीद परिवार को दी नौकरी

पुष्कर महतो

आजाद भारत में पुलिस दमन का इतिहास अंग्रेजी हुकुमत के जुल्म से कम नहीं रहा हैं। पुलिस दमन का शिकार सिर्फ आम आदमी ही नहीं बल्कि सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता भी हुए हैं।

19 अप्रैल, 1985 को पुलिस की क्रूरता के कारण झारखंड आंदोलनकारी पूर्व सांसद फादर अंथोनी मुर्मू सहित 14 अन्य आंदोलनकारियों व आदिवासियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। पुलिस ने घटना को भले ही कुछ और रूप दे दिया हो, तत्कालीन कांग्रेस सरकार कुछ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर एक साजिश को साजिश कर दफन कर दी। लेकिन झारखंड आंदोलनकारी एवं लोगों के दिलों में फादर एंथोनी आज भी जीवित है उनके विचार अमर हैं।

विधानसभा से लेकर संसद तक हंगामे हुए। फादर एंथोनी के संघर्ष झारखंड को समता मूलक शोषण विहीन समाज बनाने तथा झारखंड आंदोलनकारियोन व आदिवासियों को उनका हक दिलाने के लिए उनका संघर्ष खेतों में खलिहानों में जिंदा है लोगों के अरमानों में।

फादर एंथोनी 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीत कर सांसद बने थे। 1980 तक सांसद रहें।बाद में चुनाव में हार के बाद वे सामाजिक कार्यों से जुड़ गये थे। नशा मुक्ति, धान काटो आंदोलन ,साहूकार-महाजनों के जुल्म के खिलाफ आंदोलन, सिद्धू कानू चांद भैरव फूलों झानू की जयंती पुण्यतिथि वगैरह कार्यक्रम करना और समाज में उनके विचारों को

स्थापित करने का आंदोलन सहित अनेक अनेक कार्यक्रम 60 के दशक से 80 के दशक तक लगातार करते रहें।

घटना के दिन फादर एंथोनी आदिवासियों को उनका हक दिलाने के लिए लड़ी जा रही लड़ाई का नेतृत्व कर रहे थे। 13 आदिवासी तो पुलिस फायरिंग में गलियों और सड़कों पर मारे गये थे, लेकिन फादर एंथोनी मुर्मू और उनके एक साथी मदन मुर्मू को पुलिस ने अनाज गोदाम में बंद कर उस समय मार डाला था जब वे वार्ता करने के लिए एसडीओ और डीएसपी से मिलने गये थे।

एक प्रत्यक्षदर्शी झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा पाकुड़ जिला के संयोजक रामजी भगत ने बताया कि इस गोलीकांड में जो 15 लोग मारे गये थे, वे थे-बांझी के फादर एंथोनी मुर्मू, मदन मुर्मू, मदगू मुर्मू, खारी गांव के ठाकुर टुडू, दुमचा बेसरा, त्रिभुवन मार्डी, रक्सौल गांव के अन्ना मुर्मू, सबैया गांव के सलको टुडू, दुखना टुडू, पहाड़पुर गांव केके इसोर मुर्मू, बड़का मुर्मू, कुंदन मुर्मू, केंदुआ गांव के मुशी मदैया,टुडिवा के पांडा मार्डी और कंदोर गांव के बड़कोके हेंब्रम। उन दिनों अपने हक के लिए लड़नेवाले आदिवासियों को कुचलने के लिए पुलिस किस हद तक जा सकती थी, बांझी गोलीकांड उसका उदाहरण है।

पुलिस द्वारा सीधा गोली चलाया जाना कहीं से वाजिब नहीं था । पुलिस ने पूर्व सांसद फादर एंथोनी मुर्मू को भी देखा नहीं समझा नहीं और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फादर मुर्मू एक सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता के हैसियत से तालाब व मछली पकड़ने की घटना के सुलह के लिए गए हुए थे। लेकिन कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना का राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार फादर मुर्मू हो गए। हमेशा- हमेशा के लिए उनकी आवाज को दफन कर दिया गया। इस गोलीकांड पर विधानसभा से लेकर संसद तक में हंगामा हुआ था। न्यायिक आयोग तक का गठन हुआ था। मृतकों के परिजनों को सिर्फ पांच-पांच हजार मुआवजा मिला था। बताया जाता है कि बांझी में एक तालाब था जहां वर्षों से संताल मछली मारते थे। इस तालाब पर मोती भगत नामक महाजन का कब्जा था। उसने संतालों को मछली मारने से रोक दिया। संताल किसी भी कीमत पर मछली मारना चाहते थे।

विवाद बढ़ने पर तालाब के एक कोने में ही मछली मारने को कहा। हंगामा तब शुरू हुआ, जब मछली मारने के समय संतालों को एक युवक मुटरू मुर्मू का सड़ा हुआ शव मिला। वह कुछ दिनों से गायब था। आरोप लगा कि हत्या में मोती भगत का हाथ है और इसी कारण वे तालाब में मछली मारने से संतालों को रोक रहा था। शव मिलते ही डर से मोती भगत फरार हो गया, लेकिन संतालों ने प्रशासन से शिकायत की। इसके बाद मोती भगत के घर को संतालों ने तहस-नहस कर दिया। मामला शांत करने के लिए प्रशासन ने उस दिन संतालों को मोती भगत के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था। उसी दिन मोती भगत के गुंडों ने बाजार में कुछ संतालों को पीट दिया। इससे नाराजगी और बढ़ गयी। इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर फादर एंथोनी मुर्मू ने अन्य संतालों के साथ बैठक की और मोती भगत के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। प्रशासन पर आरोप था कि वह महाजनों का साथ दे रहा है। फादर एंथोनी एसडीओ और डीएसपी से पंचायत भवन में बात करने गये थे। बातचीत चल ही रही थी कि उसी समय मोती भगत के समर्थकों ने वहां चिल्लाते हुए यह बात फैला दी कि संताल आगजनी व हिंसा कर रहे हैं। बताया जाता है कि वार्ता कर रहे फादर मुर्मू और उनके एक साथी मदन को पुलिस ने उसी समय अनाज गोदाम में बंद कर दिया और मारपीट करने के बाद दोनों की वहीं हत्या कर दी। उधर सड़कों पर हिंसा हो रही थी। पुलिस निहत्थे संतालियों पर फायरिंग कर रही थी। जान बचाने के लिए भाग रहे संताल जिस सुरक्षित जगह छिपने का प्रयास कर रहे थे,

वहां से निकाल कर उन्हें गोली मार दी जा रही थी। अपने हक के लिए लड़नेवाले 15 सामाजिक कार्यकर्ता झारखंड आंदोलनकारी व आदिवासी इस गोलीकांड में मारे गये थे। फादर एंथोनी के मारे जाने से काफी हंगामा हुआ था। वे पूर्व सांसद थे और पोप की अनुमति से चर्च का काम छोड़ कर राजनीति में आये थे। उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह काफी पढ़े लिखे व एवं व्यक्तित्व के धनी थे। इस गोलीकांड में मारे गये संतालों के परिजनों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। सिर्फ पांच-पांच हजार मुआवजा मिला था। कुछ परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गयी थी कि फायरिंग में मारे गये कुछ संतालों की विधवाओ को परिवार चलाने के लिए मजबूरी में दूसरी शादी करनी पड़ी थी। शहादत देनेवाले ये संताल आज झारखंड आंदोलन के इतिहास के पन्नों से गायब हो गये हैं। वर्तमान समय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बांझी गोलीकांड के चार शहीद परिवार को सरकारी नौकरी देने की दिशा में पहल कदमी की है। यह एक सराहनीय कदम राज्य सरकार की है। प्रत्येक वर्ष 19 अप्रैल को बांझी गोली कांड व फादर अंथोनी मुर्मू की शहादत पर याद करते हुए लोगों की आंखें नम हो जाते हैं।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई- अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RDSPL/SD/HZB/04/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/04/2026-27	ईचाक	ईचाक प्रखण्ड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय फुरुका ईचाक का उन्नयन कार्य।	3599900.00	72000.00	5000.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 24.04.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 24.04.2026 से दिनांक 02.05.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –04.05.2026 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 377851 Rural Development (26-27)_D

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

शुद्धि–पत्र
PR.No.376169

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई–निविदा **टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/35/2025-26** मे प्रकाशित निविदा क्रमशः ग्रुप सं0 01 एवं 09 मे एकल निविदा तथा ग्रुप सं0 05 मे कोई भी संवेदक भाग नहीं लेने के कारण निविदा को रद्द करते हुए पुनः ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। जो निम्नवत है:–

क्र0 सं0	ग्रुप सं0	प्रखण्ड का नाम	पंचायत का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	1	रातु	बकाटोली	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
5	5	सोनाहातु	पण्डाडीह	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
9	9	काँके(कड़गाई)	बुटी	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह

नोट :–केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1. अधिकजानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–24.04.2026
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–25.04.2026 से 02.05.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–04.05.2026 को 4.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची।
ई–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाषनं0–7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि काई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity मे दर भिन्न रहने पर संबधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. **निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।**
10. **इस निविदा में जिला परिषद, राँची / बी0सी0डी0 में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।**
11. **जिन संवेदक का कार्य जिला परिषद, राँची में चल रहा है या लंबित है, वे संवेदक इस निविदा में भाग नहीं लेगें, उनकी निविदा अमान्य कर दी जाएगी।**

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची।

PR 377869 (Panchayati Raj) 26-27 (D)

अक्षय तृतीया पर बन रहे दुर्लभ संयोग, इन शुभ समय में करें खरीदारी, बेहद खास है अभिजीत और विकला मुहूर्त

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है, यह दिन कई मायनों में बेहद शुभ माना गया है. इस दिन नए कार्यों की शुरूआत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है, साथ ही इस तिथि को खरीदारी के लिए भी अच्छा माना गया है.

अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य किए जाते हैं जैसे विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण, नए कार्यों की शुरुआत या वाहन खरीदी. इन सभी कार्यों के लिए अक्षय तृतीया को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है. अब ऐसे में यदि आप कोई सामान लेने के लिए विचार कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त की जानकारी आपको होनी चाहिए.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन गजकेसरी योग बन रहा है. गुरु और चंद्रमा की युति वृषभ राशि में हो रही है. जो लोगों के लिए शुभ फलदायी है.

अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी का शुभ मुहूर्त

अक्षय तृतीया के दिन 3 प्रहर में आप शॉपिंग कर सकते हैं. कहते हैं शुभ मुहूर्त में यदि वस्तुएं खऱीदी जाएं तो ऐसे में जातकों के लिए यह शुभ फलदायी होता है और जीवन की हर परेशानियां खत्म होती हैं.

प्रात:काल मुहूर्त

अभिजित मुहूर्त – सुबह 11.51 बजे से दोपहर 12.45 तक. यह समय खरीदारी करने के लिए बेहद शुभ माना जाता है.

विकला मुहूर्त – सुबह 11.15 से 12.15 तक. ये समय भी वस्तुएं लेने के लिए शुभ होता है.

दोपहर के वक्त शुभ मुहूर्त

ध्रुव मुहूर्त – दोपहर 12.15 से 1.15 तक. इस समय खरीदारी करने से जातक को धन–वैभव में बढ़ोत्तरी होती है.

लाभ मुहूर्त – दोपहर 1.15 से 2.15 तक. इस समय खरीदारी करने से लाभकारी फल मिलते हैं.

शाम का शुभ मुहूर्त

अमृत मुहूर्त – इस मुहूर्त की शुरुआत शाम 6.15 बजे होगी, जिसका समापन 7.15 बजे होगा. इस समय खरीदारी करना बेहद शुभ माना जाता है.

सिद्धि मुहूर्त – इस मुहूर्त की शुरुआत शाम 7.15 बजे से होगी, जिसका समापन 8.15 बजे होगा. इस समय खरीदारी करने से सफलता प्राप्त होती है.

कब है अक्षय तृतीया
पूजा शुभ मुहूर्त और महत्व

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार यह तिथि बहुत ही शुभ और महत्वपूर्ण मानी गई है। वैदिक पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। अक्षय का अर्थ होता है, जिसका कभी क्षय न हो या फिर जिसका कभी नाश न हो। इस तिथि को अबूझ मुहूर्त माना गया है, यानी इस तिथि पर किसी भी शुभ कार्य और मांगलिक कार्य को करने के लिए मुहूर्त का विचार नहीं करना पड़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ पर्व पर किया जाने वाले दान–पुण्य, पूजा–पाठ, जाप–तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है। इस दिन सोने के गहने खरीदने और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया का पावन त्योहार 10 मई को है।

तिथि और पूजा शुभ मुहूर्त

इस वर्ष अक्षय तृतीया का पर्व शुक्रवार, 10 मई को मनाया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी। वहीं इस तृतीया तिथि का समापन 11 मई 2024 को सुबह 02 बजकर 50 मिनट पर होगी। उदया तिथि के आधार पर 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया त्योहार पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 48 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं। इस पर्व पर स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय और तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए अक्षय तृतीया की तिथि बहुत ही खास मानी गई है। इस दिन नई योजना को शुरू करने, नए व्यवसाय, नौकरी, नए घर में प्रवेश करने और शुभ खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना गया है।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने–चांदी के आभूषण. घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान–पुण्य,पूजा–पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

ज्योतिषीय महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष अक्षय तृतीया का त्योहार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में भी इस तिथि का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब अक्षय तृतीया का पर्व आता है तब सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहते हैं, साथ ही इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद होते हैं। माना जाता है इस दौरान सूर्य और चंद्रमा दोनों ही सबसे ज्यादा चमकीले यानी सबसे ज्यादा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इस तरह से अक्षय तृतीया पर ज्यादा से ज्यादा प्रकाश पृथ्वी की सतह पर मौजूद रहता है। इस कारण से इस अवधि को सबसे शुभ समय माना जाता है।

व्रत और संपूर्ण पूजा विधि

हिंदू धर्म में सभी तिथियों में अक्षय तृतीया का विशेष तिथि माना गया है। अक्षय तृतीया सर्व सिद्धि मुहूर्तों में से एक मुहूर्त है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना का विशेष महत्व होता है। अपने और परिवार की सुख– समृद्धि के लिए व्रत रखने का महत्व होता है। अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान या घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करके श्री विष्णुजी और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर अक्षत चढ़ाना चाहिए। फिर इसके बाद श्वेत कमल के पुष्प या श्वेत गुलाब, धूप–अगरबत्ती और चन्दन इत्यादि से पूजा अर्चना करनी चाहिए। नैवेद्य के रूप में जौ, गेंहू, या सत्तू, ककड़ी, चने की दाल आदि अर्पित करें। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं और उन्हें दान–दक्षिणा करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

अक्षय तृतीया पर्व से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

- अक्षय तृतीया तिथि पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम जी की जयंती भी मनाई जाती है। भगवान परशुराम को चिरंजीवी माना गया है इस कारण से इस चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है।
- अक्षय तृतीया पर ही सतयुग और त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था।
- भगवान विष्णु के अवतार नर–नारायण और हयग्रीव का अवतरण अक्षय तृतीया तिथि पर ही हुआ था।
- इस तिथि पर ही ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव हुआ था।
- अक्षय तृतीया के दिन ही वेद व्यास और श्रीगणेश द्वारा महाभारत ग्रंथ के लेखन का प्रारंभ किया गया था।
- अक्षय तृतीया के पर्व के दिन ही महाभारत के युद्ध का समापन हुआ।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया की तिथि पर ही मां गंगा का पृथ्वी में आगमन हुआ था।
- इस तिथि पर ही हर वर्ष श्री बद्रीनाथ के कपाट खोले जाते हैं ।
- अक्षय तृतीया तिथि पर ही वृन्दावन के श्री बांकेबिहारी जी के मंदिर में सम्पूर्ण वर्ष में केवल एक बार श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं।
- अक्षय तृतीया तिथि से ही उड़ीसा के प्रसिद्धि पुरी रथ यात्रा के लिए रथों के निर्माण का कार्य शुरू हो जाता है।

वैशाख शुक्ल तृतीया
भगवान परशुराम जयंती

वैशाख शुक्ल तृतीया की परशुराम जयंती एक व्रत एवं उत्सव के रूप में मनाई जाती है। 'भृगुवंश के परशुराम वेदर्षि जमदग्नि एवं इक्ष्वाकू वंश की राजकन्या रेणुका के पुत्र थे। अत: ब्रह्मवर्चस एवं क्षात्रतेज से उद्दीप्त वंश में परशुराम का जन्म हुआ।

परशुराम शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपश्चर्या करने गए। उन्होंने अपनी असीम भक्तिसे शिवजी को प्रसन्न कर लिया। इसीलिए शिवजीने उन्हें दिव्य अस्त्रों के साथ–साथ अपना अजेय एवं अभेद्य परशु त्र्यंबकदंड देते हुए आदेश दिया, जाओ आततायी, अनन्य अनाचारी, अत्याचारी, आतंकवादी, आसुरी एवं मदांधों से पृथ्वी को मुक्त करो।' अत: वाल्मीकि ने इसे 'क्षत्रविमर्दन' न कहकर 'राजविमर्दन' कहा है।

अग्रत: चतुरो वेदा: पृष्ठत: सशरं धनु: ।
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ।।

अर्थ – मेरे मुख में चारों वेदों का ज्ञान है तथा पीठपर बाणों का तरकश एवं धनुष्य है। अर्थात क्षात्रतेज एवं ब्राह्मतेज है, इसलिए समय आने पर श्राप से अथवा युद्ध कर संहार करूंगा।

धनुर्विद्याके सर्वोत्तम शिक्षक

एक बार शस्त्र नीचे रखने के पश्चात परशुराम ने क्षत्रियों से बैर भाव छोड दिया। तदुपरांत उन्होंने ब्राह्मण, क्षत्रिय सभी को समभाव से अस्त्र विद्या सिखानी आरंभ की। महाभारत के भीष्माचार्य, द्रोणाचार्य जैसे योद्धा परशुराम के ही शिष्य थे।

दानवीर

परशुराम ने क्षत्रिय वध के लिए जो युद्ध किए, उससे उन्हें संपूर्ण पृथ्वी पर स्वामित्व प्राप्त हो गया था । अश्वमेध यज्ञ कर, अंत में यज्ञ के अध्वर्यु कश्यप ऋषि को परशुराम ने सर्व भूमि दान कर दी ।

भूमि की नवनिर्मिति

महर्षि कश्यप यह जानते थे कि परशुरामजी के इस भूमि पर रहते, क्षत्रिय कुल का उत्कर्ष नहीं होगा; अत: उन्होंने परशुरामजी से कहा, 'अब इस भूमि पर मेरा अधिकार है । अत: तुम यहां नहीं रह सकते हो।' तब परशुरामजी ने समुद्र हटाकर अपना क्षेत्र निर्माण किया । वैतरणा से कन्याकुमारी तक के भूखंड को परशुराम क्षेत्र की संज्ञा दी गई है।

अक्षय तृतीया को क्यों कहते हैं आखातीज?

पूरे वर्ष में साढ़े तीन अबूझ मुहूर्त होते हैं। पहला चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, दूसरा विजया दशमी और तीसरा अक्षय तृतीया। आधा मुहूर्त कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को रहता है। विभिन्न मतांतर से देवप्रबोधिनी एकादशी को भी अबूझ और पवित्र मुहूर्त में शामिल किया जाता है। अबूझ मुहूर्त का अर्थ होता है कि इन तिथियों के दिन पूरे दिन ही शुभ मुहूर्त रहता है इसलिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। आखा का अर्थ संपूर्ण, छानना छलनी, खुरजी, एक विशेष प्रकार का बर्तन। लेकिन यहां इसका अर्थ कभी न नष्ट होने वाले से है। अविनाशी मुहूर्त या अबूझ मुहूर्त। उपर्युक्त तिथियों को स्वयं सिद्ध मुहूर्त की मान्यता प्राप्त है। इन तिथियों में बिना मुहूर्त का विचार किए नवीन कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं। इसीलिए अक्षता तृतीया पर अधिकतर लोग विवाह करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता।

अक्षय तृतीया सनातन धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार है जो लोकभाषा में आखातीज या वैशाख तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म का भी शुभ त्यौहार है। अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल में हिन्दुओं व जैनियों द्वारा एक शुभ समय के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किये जाते है, उनका अक्षय फल मिलता है, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीय कहा जाता है। अक्षय तृतीया तिथि को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए क्या करें क्या न करें

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। यह पर्व इस बार 10 मई, शुक्रवार को है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। यह पर्व इस बार 10 मई, शुक्रवार को है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। भविष्य पुराण के अनुसार इस दिन स्नान,दान,जप,होम,स्वाध्याय, तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं,वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। आइए जानते हैं कि अक्षय तृतीया पर कौन से कार्य करने से जीवन में खुशहाली आती है।

शुभ कार्य आरंभ

बिना पंचांग देखे भी इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान–पुण्य, पूजा–पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

सोना खरीदना है शुभ

धर्मग्रंथों के अनुसार स्वर्ण में देवी लक्ष्मी का वास माना गया है, इसलिए इस दिन सोने–चांदी के आभूषण खरीदना काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे पूरे साल घर में सुख और समृद्धि आती है।

शिव–पार्वती की पूजा

इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से इनकी कृपा बरसती है। समृद्धि और जीवन धन–धान्य से भरपूर होता है और इनकी पूजा से मनुष्य को संतान सुख मिलता है।

वृक्ष लगाएं

इस दिन पीपल, आम, पाकड़, गूलर, बरगद, आंवला, बेल, जामुन व अन्य फलदार वृक्ष लगाने से प्राणी को सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जिस प्रकार अक्षय तृतीया को लगाए गए वृक्ष हरे–भरे होकर पल्लवित–पुष्पित होते हैं उसी प्रकार इस दिन वृक्षारोपण करने वाला व्यक्ति भी प्रगति पथ की ओर अग्रसर होता है।

सत्तू और नीम की कोपल

इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को नैवेद्य में गेहूं, जौ, चने का सत्तू, मिश्री, नीम की कोपल, ककड़ी और चने की भीगी दाल अर्पित की जाती है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए।

दान करें

अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घड़े, कुल्हड़, सकोरे, पंखे, पादुका, चटाई, छाता, चावल, नमक, घी, खऱबूज़ा, ककड़ी, मिश्री, सत्तू आदि गर्मी में लाभकारी वस्तुओं का दान महापुण्यकारी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन दान देने वाला प्राणी सूर्यलोक को जाता है। जो इस तिथि को उपवास करता है वह सुख–शांति, ऐश्वर्य और श्री से संपन्न हो जाता है।

ये न करें – अक्षय तृतीया वर्ष के श्रेष्ठतम मुहूर्तों में से एक है। इस दिन किया गया कोई भी शुभ–अशुभ कार्य निष्फल नहीं होता। इसलिए इस दिन कोई भी अप्रिय कार्य नहीं करना चाहिए यदि आप ऐसा करते हैं तो वह उसी रूप में उम्र भर आपका पीछा करता रहेगा। यदि इस दिन महिलाएं उपवास करती हैं तो मान्यता के अनुसार उन्हें यह व्रत करते हुए नमक का पूरी तरह से त्याग करना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

मौसमी बीमारी फैलने की सूचना

सिविल सर्जन ने लोगों से झोलाछाप डॉक्टर व ओझा- गुणी के चक्कर में नहीं पड़ने की दी सलाह

संवाददाता

साहिबगंज : डॉ रामदेव पासवान सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर बरमसिया एवं देवपहाड़ अंतर्गत मलेरिया, डायरिया और अन्य मौसमी बीमारी फैलने की सूचना प्राप्त होते ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर बरमसिया एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर देवपहाड़ अंतर्गत अति दुर्गम पहाड़ी गाँव बरुघुटु अमरपुर,जीतपुर, गड़गड़ी, ईचाटांड़ आदि विभिन्न गावों में भ्रमण कर सभी मरीजों का हाल चाल जाने एवं स्वास्थ्य से

सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए! इसके साथ ही उक्त गाँवो में मेडिकल टीम के द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया मास सर्वे एवं घर -घर फीवर सर्वे का निरक्षण किए एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए! साथ ही सिविल सर्जन महोदय के द्वारा गोड्डा जिले से सटे सभी गाँवों में स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया मास सर्वे एवं घर -घर फीवर सर्वे नियमित तौर पर करने का निर्देश दिए ! सिविल सर्जन महोदय के द्वारा सभी पहाड़ी क्षेत्रों में मेडिकल टीम गठित कर सभी बुखार पीड़ित रोगियों को मलेरिया जाँच करने को कहा गया । सिविल सर्जन महोदय के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को अपने घर के आस -पास साफ- सफाई रखने, प्रत्येक दिन मच्छरदानी लगा कर सोने, ताजा और गर्म खाना खाने, पानी को उबाल कर ठंडा कर पीने, किसी को भी बुखार होने पर तुरंत अपने गाँव की सहिया एमपीडब्ल्यू, सहिया व एएनएम से संपर्क कर खून की जाँच करवाने, किसी झोलाछाप डॉक्टर या झाड़ -फुक ओझा गुनी जड़ी- बूटी के चकर में ना पड़ने की सलाह दिए। मौके पर डॉ सत्ती बाबू डाबडा जिला भीबीडी सलाहकार, मो0 तौसीफ अहमद डीडीएम , डॉ जय कुमार चिकित्सा पदाधिकारी,मनोहर पंडित एमटीएस , शशिशेखर शर्मा एमपीडब्ल्यू बेंजामीन मुर्म, मुन्ना ठाकुर एमटी डब्लू, कोमल कुमारी जैन एएनएम, विजय मालतो पीभीटीजी फैसिलिटेटर, मंजू हेमब्रम सहिया व स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

थाना प्रभारी की दुकानदारों और व्यवसायियों के साथ बैठक

साहिबगंज: शहर के मुफस्सिल थाना परिसर में थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय के नेतृत्व में दुकानदारों एवं व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना तथा व्यापारियों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करना था।

बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने सभी दुकानदारों को सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सतर्कता बेहद जरूरी है। सभी व्यवसायियों को अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उसे हमेशा चालू रखने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों या गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही गई। बैठक के दौरान क्षेत्र के कई बुद्धिजीवी वर्ग के लोग शामिल थे।

मॉडल कॉलेज राजमहल में फलदार पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंजःराजमहल मॉडल कॉलेज राजमहल परिसर में आज पर्यावरण संरक्षण व अर्थिक उन्नति के उद्देश्य से फलदार पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपग्रेड +2 उच्च विद्यालय मंगलहाट के प्रभारी प्रधानाध्यापक देव कांत कुमार ने 10 केले के पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किया।कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह सहित छात्राओं, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने मिलकर पौधरोपण करपर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।जबकि प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कम जगह में भी पौधरोपण कर हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहन सिंह, सुमित कुमार साहा, प्रकाश महतो, करमु महतो, बाबलू हेम्ब्रम, उषा देवी सहित कॉलेज के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गवाह को चाकू मारकर किया घायल

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही सोती चौकी पांगडो निवासी शोभा कुमारी को बगल के ही रहने वाले रिंकी देवी उसकी मां ने गले में चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल शोभा और उसके स्वजन इसकी शिकायत को लेकर जिरवाबाड़ी थाना पहुंची जहां पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घायल शोभा ने बताया कि मैं अपने घर पर खाना पका रही थी तभी बगल के रहने वाली रिंकी देवी और उसकी मां आई और मुझे गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे बताइए कि मैं अपनी फुआ की गवाही देने के लिए गई थी इसी बात को लेकर उन लोगों ने मेरे साथ झगड़ा किया और चाकू से गले में वार कर दिया जिससे मेरा गला कट कर खून बहने लगा। बताइए उन लोगों ने धमकी दी है कि अगर दोबारा गवाही देने गई तो फिर मारेंगे। बताइए कि उन लोगों ने मारपीट के दौरान मेरा गाना भी छीन लिया। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

ग्रामीणों ने विद्यालय में उर्दू शिक्षक नियुक्ति को लेकर जिला शिक्षा अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

✔ **उर्दू शिक्षक की नियुक्ति नहीं होने से छात्रों की पढ़ाई हो रही प्रभावित**

संवाददाता

साहिबगंजः जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत उर्दू प्राथमिक विद्यालय,बड़ा मदनशाही में उर्दू शिक्षक की नियुक्ति नहीं होने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।इस समस्या को लेकर पंचायत के उप मुखिया मो अलाउद्दीन के नेतृत्व में ग्रामीणों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अविलंब उर्दू शिक्षक की पदस्थापना की मांग की है।उप मुखिया मो अलाउद्दीन ने बताया कि विद्यालय में 01 अक्टूबर 2024 से ही उर्दू शिक्षक का पद रिक्त पड़ा है।कई बार मौखिक और लिखित शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक विभाग ने किसी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की है। विद्यालय में नामांकित सभी 301 छात्र-छात्राओं की मातृभाषा उर्दू है लेकिन उन्हें

पढ़ाने के लिए कोई विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध नहीं है।ज्ञापन में विभाग की हालिया पदस्थापना पर भी सवाल उठाया गया है।ग्रामीणों के अनुसार 02 अप्रैल 2026 को अनुरंजना केटकेट्टा नामक शिक्षिका का पदस्थापन विद्यालय में किया गया जबकि वे सामाजिक विज्ञान वर्ग 6 से 8 की विशेषज्ञ हैं।जबकि यह विद्यालय प्राथमिक स्तर वर्ग 1 से 5 का है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पहले से कार्यरत चार सरकारी शिक्षक एवं एक सहायक अध्यापक सभी हिंदी भाषी हैं।अभिभावकों और ग्रामीणों ने कहा कि जब तक विद्यालय में उर्दू शिक्षक की नियुक्ति नहीं होती तब तक बच्चों की बुनियादी शिक्षा अधूरी रहेगी। उन्होंने मांग किया कि अनुरंजना केटकेट्टा के स्थान पर योग्य उर्दू शिक्षक या शिक्षिका की नियुक्ति की जाए ताकि छात्रों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके।ज्ञापन पर मुखिया किसनी देवी, उपमुखिया,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मसूद आलम सहित कई ग्रामीणों ने सहमति जताई हैं।

तीनपहाड़ में किऊल मालदा मेमो ट्रेन का ठहराव हुआ शुरू

संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर किऊल-मालदा टाउन मेमू स्पेशल ट्रेन जैसे ही रुकी वैसे ही क्षेत्र के लोगों सहित तीनपहाड़ क्षेत्रीय संघर्ष समिति ने मेमू ट्रेन के चालक रूपेश कुमार और सहचालक सुमित कुमार को फूलमाला पहना और मिठाई खिला कर स्वागत किया।वहीं बताते चले कि बीते रविवार को मालदा मंडल के सोशल मीडिया पेज पर क्यूलझमालदा मेमू स्पेशल ट्रेन के शुभारंभ की जानकारी सार्वजनिक की गई।जानकारी में मेमू ट्रेन क्यूल से चलकर भागलपुर,साहिबगंज बरहरवा होते हुए मालदा तक जाएगी।लेकिन तीनपहाड़ जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन को नजरअंदाज

करते हुए उक्त स्टेशन पर ठहराव नहीं दिया गया था जिसके बाद तीनपहाड़ संघर्ष समिति ने इसकी जानकारी रेल विभाग के वरीय अधिकारी को देते हुए चेताया कि अगर मेमू ट्रेन का ठहराव तीनपहाड़ में नहीं दिया गया तो आने वाले समय में समिति सहित क्षेत्रवासी उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे इसके बाद रेल विभाग ने दोबारा से अधिसूचना जारी कर तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन में मेमू ट्रेन का 2 मिनट का ठहराव दिया।वही समिति सदस्यों ने कहा कि इससे रेलवे को राजस्व की प्राप्ति के साथ-साथ तीनपहाड़ सहित आसपास के दैनिक यात्रियों और आमलोगों को काफी सुविधा होंगी।इस दौरान मेमू ट्रेन में यात्रियों की काफी भीड़ भाड़ देखी गई।वही मेमू ट्रेन की समय सारणी सुबह क्यूल से चलकर दोपहर 12 बजे और दोपहर को मालदा से चलकर शाम 5:30 में दो मिनट के लिए तीनपहाड़ स्टेशन पर रुकेगी। इस सराहनीय कार्य से क्षेत्र की जनता काफी खुश है।

24 प्रहर लीला संकीर्तन सुनने को लेकर उमड़ी भीड़

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा :प्रखंड क्षेत्र के फुदकीपुर नौघरिया में सार्वजनिक ठाकुरबाड़ी मंदिर कमिटी की ओर से तीन दिवसीय आयोजित 24 प्रहर व्यापी लीला संकीर्तन शनिवार को संपन्न हो गया। बीते शुक्रवार की रात्रि को कलाकारों के द्वारा रास लीला प्रस्तुत किया गया। जिससे लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लीला संकीर्तन स्थल पर भव्य मेला का आयोजन किया गया। लोगों ने जमकर मेले का लुत्फ उठाया। वहीं कमिटी की ओर से दो दिवसीय शनिवार और रविवार की संध्या में बाउलगान का आयोजन किया गया है। इस दौरान पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा से कुमारी चम्पा मांझी,मुर्शिदाबाद जिला के बहरमपुर से अदिति विश्वास,मालदा जिला के गुलाबगंज से द्रोपदी सरकार,साहिबगंज जिला के आतापुर से अरूण घोष,बेगमगंज से नव दुबे एवं फुदकीपुर से धरनीधर दास आदि कलाकारों ने बारी-बारी से लीला संकीर्तन प्रस्तुत किया। कलाकारों ने लीला संकीर्तन के माध्यम से श्रीकृष्ण की जीवनी के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। वहीं कमिटी की ओर से भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई है। लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना मांगी। मौके पर कमिटी के अध्यक्ष सुबेश मंडल,सचिव विश्वजीत मंडल,कोषाध्यक्ष सुदर्शन मंडल व गंगा साहा सहित अन्य लोग सहयोग कर रहे है।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट

संत जेवियर स्कूल व बोरियो सुपरकिंग ने सेमीफाइनल में जीत दर्ज की

संवाददाता

साहिबगंजःजिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में चल रहे डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट के तहत शनिवार को दो सेमीफाइनल मैच हुए। पहला सेमीफाइनल संत जेवियर स्कूल ए बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय जबकि दूसरा सेमीफाइनल संत जेवियर स्कूल बी बनाम बोरियो सुपरकिंग के बीच खेला गया।

पहला मैच में जेवियर स्कूल ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 138 रन बना कर ऑल आउट हो गई। अनुराग ने 33, अमूल ने 31, मो जुनैद ने 20 रन बनाए। जवाहर नवोदय विद्यालय के गेंदबाज अभिषेक ने 3 व वसीम अख्तर ने 2 विकेट लिए।जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम 11.4 ओवर में 77 रन बना कर ऑल आउट हो गई। वसीम अख्तर ने नाबाद 31,

सौराभ उरांव ने 13 रन बनाए। संत जेवियर के गेंदबाज प्रतीक कुमार ने 3 व अनुराग कुमार ने 3 विकेट लिए। संत जेवियर स्कूल ने 61 रन से जीत हासिल की। संत जेवियर के खिलाड़ी अनुराग को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ देवव्रत ने अनुराग को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया।

दूसरे मैच में संत जेवियर स्कूल बी ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.5 ओवर में 118 रन बना कर ऑल आउट हो गई। आदित्य यादव ने 47, आदित्य कुमार ने 17 व अश्विन ने 13 रन की पारी खेली। बोरियो सुपर किंग के गेंदबाज पीयूष ने 4, आदित्य ने 3 व कुश ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बोरियो सुपर किंग की टीम ने 10.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। कुणाल यादव ने 54 व आदित्य मंडल ने 41 रन बनाए। संत जेवियर स्कूल बी के गेंदबाज पार्थ सिंह ने 1, केशव व आदित्य ने 1-1 विकेट लिए। बोरियो सुपर किंग के खिलाड़ी आदित्य कुमार मंडल को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यतिथि बास्की यादव ने आदित्य को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम, मो हयात व तारिक अनवर जबकि स्कोरिंग मो अनाउल्लाह ने किया। टूर्नामेंट इंचार्ज मोहम्मद अशफाक आलम ने बताया कि रविवार को तीसरे सेमीफाइनल का पहला मैच संत जेवियर स्कूल ए बनाम संत जेवियर स्कूल बी जबकि दूसरा मैच बोरियो सुपरकिंग बनाम जवाहर नवोदय के बीच खेला जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

मारपीट का आरोपी कोदरजन्ना निवासी मोजफ्फर अली गिरफ्तार

साहिबगंजःमुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोदरजन्ना निवासी मोजफ्फर अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनीश पांडेय ने बताया कि बीते दिनों पहले मोजफ्फर अली के विरुद्ध पिड़ित परिवार ने मारपीट करने का आरोप लगाते हुए आवेदन देकर मामला दर्ज करवाया था । पुलिस ने छानबीन के दौरान मोजफ्फर को गिरफ्तार किया गया है पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरी कोदरजन्ना निवासी मोहम्मद इरशाद एवं मोहम्मद विलसाद के ऊपर मारपीट का मामला में प्राथमिक दर्ज की गई थी। दोनों के गिरफ्तारी की गई पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

आईपीएस अधिकारियों का तबादला

साहिबगंजः राज्य सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी आदेश के अनुसार, रीष्मा रमेशन को झारखंड सशस्त्र पुलिस-9 का नया समादेष्टा नियुक्त किया गया है। इससे पहले इस पद पर कुसुम पुनिया तैनात थीं। उन्होंने 28 मार्च 2025 को समादेष्टा का पदभार संभाला था। अब उनके स्थानांतरण के बाद विभाग में नई जिम्मेदारी रीष्मा रमेशन को सौंपी गई है।

डाटा एंट्री ऑपरेटर व एमडीएम ऑपरेटर की बैठक

शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्देश

साहिबगंजःमण्डरो प्रखंड संसाधन केंद्र मिर्जाचौकी में शनिवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी की अध्यक्षता में सीआरपी, बीआरपी, रिसोर्स शिक्षक, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एमडीएम ऑपरेटर की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति ई-विद्या वाहिनी के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज करने तथा छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वही डहर ऐप से किए गए विद्यालय सर्वे में आवश्यक संशोधन कर पुनः अपलोड करने, पोषण पखवाड़ा 9 से 23 अप्रैल एवं रुआर कार्यक्रम 16 से 30 अप्रैल के तहत दैनिक गतिविधियों का फोटो-वीडियो अपलोड करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 8 के विद्यार्थियों की सूची दो दिनों के भीतर उपलब्ध कराने तथा कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए पुस्तक व स्कूल बैग उठाव सुनिश्चित करने को भी कहा गया।बैठक में बीआरपी क्लेमेंट सोरेन, अभिषेक कुमार, सीआरपी मो. सनाउल्लाह, मो. हैदर अली, नवीन कुमार झा, मो. इजहार आलम, अब्दुल रऊफ अंसारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

जिला के 13 परीक्षा केंद्रों में आज जेपीएससी की परीक्षा

परीक्षा केंद्रों के आस पास धारा 144 लागू

साहिबगंजःजिला के 13 परीक्षा केंद्रों में आज जेपीएससी की परीक्षा आयोजित की जाएगी। दो पाली में परीक्षा आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक व दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केंद्र शहर के चौक बाजार स्थित राजस्थान इंटर स्कूल, तलबन्ना स्थित पब्लिक हाई स्कूल, पटेल चौक समीप ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, मां बायसी मंदिर समीप सेंट जेवियर्स स्कूल अंग्रेजी व पूर्वी फाटक समीप संत जेवियर्स स्कूल हिन्दी मीडियम, कॉलेज रोड स्थित साहिबगंज कॉलेज, रिफ्यूजी कॉलोनी स्थित सेंट जोसफ एकेडमी विद्यालय, स्टेडियम रोड स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय व संध्या इंटर कॉलेज, पोखरिया टाउन हॉल स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बंगाली टोला, अपग्रेड नगरपालिका गर्ल्स हाई स्कूल पुरानी साहिबगंज तथा पीएम श्री अपग्रेड मिडिल स्कूल बड़ा पंचगढ़ में होगा। इस परीक्षा में कुल 3653 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि परीक्षा के पूर्व सभी परीक्षा केंद्रों,आसपास के होटलों व लॉजों की सघन जांच की जाए,ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते नियंत्रण किया जा सके।परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन ने 16 पर्यवेक्षक- सह- स्टैटिक दंडाधिकारी व 06 जोनल- सह - उड़नदस्ता दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए हैं। सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द को विधि-व्यवस्था संधारण प्रभारी प्रतिनियुक्ति किया है। वहीं जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नू कुमार मिश्रा को नोडल पदाधिकारी तथा अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत को वरीय प्रभारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लगाया गया है, अनुपालन एवं अनावश्यक भीड़-भाड़ पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए।परीक्षा केन्द्र व परीक्षार्थी संख्याःपरीक्षा केन्द्र परीक्षार्थी संख्या ,राजस्थान इंटर स्कूल 288,पब्लिक हाई स्कूल 216,पूर्व रेलवे स्कूल 216,संत जेवियर्स अंग्रेजी मीडियम 480,संत जेवियर्स हाई स्कूल हिन्दी 288,साहिबगंज कॉलेज 648,संत जोसफ एकेडमी192,जवाहर नवोदय विद्यालय168,संध्या महाविद्यालय 408, सीएमएसओई पोखरिया गर्ल्स स्कूल 264,राजकीय कन्या मिडिल स्कूल150,अपग्रेड नगरपालिका गर्ल्स स्कूल 156 और अपग्रेड मिडिल स्कूल बड़ा पचगढ़ 179 होगी।

साहिबगंज के 37वें उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के रूप में दीपक दुबे ने संभाला कार्यभार

साहिबगंजः जिले के 37वें उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा (2019 बैच) के अधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे ने आज विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। समाहरणालय परिसर में आयोजित एक सादे किंतु गरिमामय कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पदभार संभालते हुए जिले के सर्वांगीण विकास एवं सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उपायुक्त श्री दुबे ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता,जवाबदेही एवं त्वरित निष्पादन पर विशेष बल देते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य,कृषि,आधारभूत संरचना एवं कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में निरंतर सुधार हेतु ठोस पहल की जाएगी।साथ ही,आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

केन्या के केफर लुंबासी ने जीती सातवीं चन्द्रशेखर हाफ मैराथन की ट्राफी

एजेंसी

बलिया (उत्तर प्रदेश) : पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृति में रविवार को आयोजित सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) की सवा लाख रुपये इनाम राशि की ट्राफी केन्या के धावक केफर लुम्बासी ने जीत ली। प्रयागराज के सचिन यादव द्वितीय और केन्या के केबिछी वाइजली ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस मैराथन में भाग लेने के लिए 730 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। सभी खिलाड़ी सुबह छह बजे स्टार्टिंग प्वाइंट पर पहुंचे। पटपर पचखोरा में मैराथन का फ्लैग ऑफ सांसद नीरज शेखर व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने किया। केन्या के धावकों ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। 240 नंबर जर्सी पहने केनिया के केफर

लुंबासी ने 59 मिनट पांच सेकण्ड में अपनी दौड़ पूरी की। केनियायी धावक केफर लुंबासी ने पचखोरा में स्टार्टिंग प्वाइंट से लेकर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में फिनिश लाइन तक लगातार बढ़त बनाए रखी। हालांकि, प्रयागराज के सचिन यादव ने भी केनियायी धावक का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने शुरू से ही केफर को पछाड़ने के लिए पूरी ताकत झोंकी, मगर महज 32 सेकण्ड से पिछड़ कर द्वितीय स्थान हासिल किया। 230 नंबर की जर्सी पहने सचिन यादव ने अपनी दौड़ 59 मिनट 37 सेकण्ड में पूरी की। केन्या के ही केबिछी वाइजली ने तृतीय स्थान हासिल किया। केबिछी ने एक घंटे 53 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। 270 नंबर के धावक वाराणसी के अनिल पटेल ने चतुर्थ स्थान, 271 नंबर के धावक वाराणसी के जुगनू कुमार ने पांचवां स्थान, 269 नंबर के धावक वाराणसी के अभिषेक प्रजापति ने छठवां स्थान, 244 नंबर के केनिया के चेपके वांग ने सातवां स्थान, 153 नंबर के धावक बलिया के सोनू कुमार राजभर आठवां स्थान, 172 नंबर के धावक बलिया के नीतीश कुमार ने नौवां स्थान और 703 नंबर के धावक मध्य प्रदेश के मऊगंज के पंकज पटेल ने दसवां स्थान हासिल किया। पंकज पटेल ने अपनी दौड़ एक घंटे सात मिनट और पंद्रह सेकण्ड में पूरी की। फिनिशिंग लाइन तक पहुंचे वाराणसी के कुश कुमार ने एक घंटा 15 मिनट 23 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ी फिनिश लाइन तक पहुंच सके।

प्रथम विजेता केन्या के केफर लुंबासी को एक लाख 25 हजार, द्वितीय विजेता सचिन यादव को 65 हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाले केन्या के केबिछी वाइजली को 35 हजार नकद का पुरस्कार दिया गया। स्टेडियम में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में ज्ञानकुंज बंशी बाजार के छात्रों ने अपनी सांगीतमय प्रस्तुति से समा बांध दिया।

हैदराबाद की दमदार जीत, चेन्नई को 10 रन से हराकर मुकाबला किया अपने नाम

हैदराबाद : आईपीएल 2026 के 27वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में 10 रन से हराकर अहम जीत दर्ज की। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन हैदराबाद के बल्लेबाजों ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 194 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए, हालांकि बीच में आयुष म्हात्रे और कप्तान गायकवाड़ के बीच तेज साझेदारी ने टीम को संभालने की कोशिश की। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट और सरफराज खान ने भी कुछ रन जोड़े, लेकिन मिडिल ओवरों में धीमी बल्लेबाजी चेन्नई के लिए भारी पड़ गई। चेन्नई की टीम 20 ओवर में 184 रन ही बना सकी और जीत से चूक गई। मिडिल ऑर्डर में रन गति का गिरना टीम की हार की सबसे बड़ी वजह रहा। शिवम दुबे और अन्य बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सके, जिससे अंत में दबाव बढ़ता गया। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने तेज शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। अभिषेक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर 59 रन बनाए। बाद में हेनरिक क्लासेन ने शानदार पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में हैदराबाद के ईशान मलिंगा ने तीन विकेट झटके, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने दो विकेट अपने नाम किए।

'तुम्हें होना चाहिए था रहमान डकैत'

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा

'बैडमैन' ने दिया ये रिएक्शन

बॉलीवुड के 'बैड मैन' कहे जाने वाले गुलशन ावर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका ंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में वो जय वर्मा के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगे। ल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्राइम स्टोरीज के कास को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा उन्हें अब बड़े और खूंखार विलेन के दौर की द आती है। इस दौरान एक्टर ने 'धुरंधर' और ़मान डकैत के किरदार को लेकर भी बात की।

वक्त के साथ बदलना जरूरी है

बातचीत के दौरान गुलशन ग्रोवर ने सिनेमा में ाइम कहानियों के विकास और बदलाव को लेकर ात की। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव हर गह हो रहे हैं। चाहे वह कहानी कहने का तरीका , निर्देशन हो, अभिनय हो, सब कुछ बदलना य है। मेरा मानना है कि जो लोग बदलाव के ाथ नहीं चलते, वे भले ही आधुनिक कपड़े हनते हों, लेकिन उनकी सोच पुरानी ही रहती है। ाप कुछ बूढ़े लोगों को पेड़ के नीचे हुक्का पीते ए और अपने जमाने की बातों का बखान करते खते होंगे, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। आपको गातार बदलना होगा।

गुलशन ग्रोवर को रहमान डकैत के ़िरदार में देखना चाहते शत्रुघ्न सिन्हा

हाल ही में हुई एक मुलाकात को याद करते ए गुलशन ग्रोवर ने एक किस्सा सुनाया। न्होंने बताया कि दो दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा, केश रोशन और शशि रंजन हम सब डिनर र रहे थे। मैं देर से पहुंचा तो शत्रुघ्न सिन्हा कहा, 'मैंने धुरंधर देखी। गुलशन वो एक सी फिल्म थी जिसमें आपको होना चाहिए ा।' शत्रुघ्न ने ये भी कहा कि अगर मैंने क्षय खन्ना का रहमान डकैत का किरदार भाया होता तो कितना अच्छा होता। तो ने कहा, 'मैं भी इससे सहमत हूं। जनता ी सहमत है।'

खौफनाक विलेन की हो गई कमी

खौफ पैदा करने वाले विलेन की कमी पर गुलशन ग्रोवर ने कहा कि यह क्रिएटिव कमी के बजाय सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। मुझे नहीं लगता कि उन खलनायकों का गायब हो जाना कोई समस्या है। वे वापस आएंगे। क्योंकि फिल्ममेकर वही लिखते हैं, जो समाज में घट रहा होता है। वे वहीं से प्रेरणा लेते हैं। ऐसे किरदार आज कम दिखाई देते हैं, क्योंकि असल में उनके जैसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर बोलीं-फर्क नहीं पड़ता

मैं बस उनकी फैन हूं

अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आईएएनएस से खास बातचीत में मेधा शंकर ने बताया, 'ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा।' मेधा ने आगे जोड़ा, 'यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है। मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'तुमपे ही प्यार आ गया' हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। 'गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रोल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

12 फिल्मों में साथ किया काम

हर बार मास्टर क्लास जैसा था

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी 'भूत बंगला' की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।''

अक्षय ने असरानी को किया याद

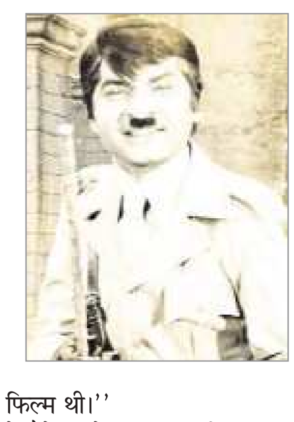

कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी। अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, ''मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था। अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है।'' अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मेरे लिए 'भूत बंगला' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। असरानी का निधन अक्टूबर 2025 में 84 वर्ष की उम्र में हुआ था, लेकिन उनकी कला आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

शूटिंग के दौरान जब

तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गई, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। लारा दत्ता का जन्म 16 अप्रैल 1978 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हुआ था। उनके पिता भारतीय वायु सेना में विंग कमांडर थे। उन्होंने बेंगलुरु से अपनी पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई में अच्छी होने के साथ-साथ उनमें कुछ अलग करने की चाह भी थी, जिसने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मॉडलिंग में कदम रखते ही लारा दत्ता ने अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी। साल 1997 में उन्होंने ग्लैडरैग्स प्रतियोगिता जीती। साल 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह भारत की दूसरी महिला बनीं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के बाद वह पूरी दुनिया में मशहूर हो गईं और उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुल गए। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गईं। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'भागम भाग', 'पार्टनर' और 'हाउसफुल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया।

जंगल में अपना कचरा नहीं, अपनी यादें छोड़ें : रणदीप

मनुष्य की आधुनिक जीवनशैली और विकास की भूख ने उसे इस कदर अंधा कर दिया है कि वह पनी जड़ों को धीरे-धीरे नष्ट करने पर लगा हुआ है। शहरों को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के बाद अब सकी नजर जंगलों पर है। पर्यटन और घूमने-फिरने के नाम पर लोग जंगलों में प्लास्टिक का कचरा और दगी के ढेर छोड़ रहे हैं। यह कचरा वहां के जानवरों और पेड़-पौधों के लिए धीरे-धीरे जहर बन रहा है। सी मुद्दे पर ध्यान दिलाते हुए बुधवार को अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो स्ट किया। इसमें एक बाघ तालाब से पानी पीते हुए दिखाई दे रहा है। शुरू में यह सीन बहुत शांत ौर खूबसूरत लगता है, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, आसपास प्लास्टिक का कचरा ाफ नजर आने लगता है। यह सीन जंगल में फैली इंसानी लापरवाही की कड़वी कच्चाई को खाता है कि ऐसे इलाकों तक अब गंदगी पहुंच चुकी है, जहां पहले इंसान की पहुंच बहुत कम ी। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी को संदेश दिया कि जंगल में जो भी चीज हम ले ाते हैं, खासकर प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां या अन्य कचरा, उसे कभी भी वहीं नहीं ोड़ना चाहिए। वीडियो पोस्ट कर अभिनेता ने लिखा, 'यह सुंदर है, लेकिन जब क कि यह सुंदर नहीं रहता। जंगल को हमारे प्लास्टिक की जरूरत नहीं है। उसे मारे सम्मान की जरूरत है।' अभिनेता की पोस्ट को काफी पसंद किया जा ा है। यूजर्स उनकी राय की सराहना कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन पर रह-तरह की प्रतिक्रियाएं देते नहीं थक रहे हैं।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज ओरछा-चंदेरी के लिए करेंगे पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज रविवार को प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सुबह 10:45 बजे राजधानी के स्टेट हैंगर से ₹पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा₹ के अंतर्गत नए सेक्टर (भोपाल-चंदेरी-ओरछा) का विधिवत शुभारंभ करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे और यात्रियों को बोर्डिंग पास भी प्रदान करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, यह नया सेक्टर भोपाल को भगवान श्रीराम की राजनगरी ओरछा और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध चंदेरी से जोड़ेगी। इससे श्रद्धालु श्रीरामराजा मंदिर में सुगमता से दर्शन के लिये पहुँच सकेंगे और चंदेरी की सांस्कृतिक विरासत व प्रसिद्ध हस्तशिल्प (चंदेरी साड़ी) का अनुभव ले सकेंगे। एंड टू एंड सेवा का सप्ताह में 5 दिन होगा संचालन

उन्होंने बताया कि सेक्टर-2 अंतर्गत यह सेवा सप्ताह में 5 दिन (बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार) संचालित होगी। यात्रियों के लिए भोपाल से चंदेरी का किराया ?5,500 और भोपाल से ओरछा का किराया 6,500 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, 14,500 रुपये के विशेष पैकेज में टैक्सी, वीआईपी दर्शन और प्रसाद जैसी 'एंड-टू-एंड' सुविधाएं भी शामिल हैं। चंदेरी और ओरछा में पर्यटकों के लिए 3,500 रुपये में 'जॉय राइड' की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, पीपीपी मॉडल पर संचालित इस सेवा में पर्यटकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। गंतव्य पर होटल, भोजन और स्थानीय भ्रमण के लिए गाइड की व्यवस्था भी पूर्व निर्धारित रहेगी। बुकिंग के लिए पर्यटक ६६६.ा'८ङ्ग'.ल्ल और आईआरसीटीसी पोर्टल पर बुकिंग कर सकते हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर 2025 के अवसर पर पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया गया था। यह सेवा वर्तमान में आध्यात्मिक सेक्टर इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर के साथ वाइल्डलाइफ सेक्टर जबलपुर, कान्हा, बांधवगढ़, चित्रकूट और मैहर के बीच सफलतापूर्वक संचालित है। इस सेवा का अब तक 2 हजार 648 पर्यटकों और श्रद्धालुओं ने लाभ लिया है।

मुख्यमंत्री योगी से मिलेंगे कालीन-दरी सेक्टर के प्रतिनिधि ऋषभ जैन, साझा करेंगे करघों की खामोशी का दर्द

- ✔ पेट की मजबूरी ने छीनी पीढ़ियों पुरानी कला, बुनकरों के पलायन से इंडस्ट्री पर गहराया संकट
- ✔ कालीन इंडस्ट्री के गिरते हालात को प्रमुखता से उठाएंगे, कारीगरों की बदहाली पर खीचेंगे ध्यान

एजेंसी

मीरजापुर : विंध्य क्षेत्र के गांवों में अब करघों की आवाज पहले जैसी नहीं रही। जिन घरों में कभी दिन-रात कालीन बुनाई होती थी, वहां आज सन्नाटा है। कारीगर मजदूरी या दूसरे काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं। क्या विश्वप्रसिद्ध कालीन इंडस्ट्री सरकारी उदासीनता की भेंट चढ़ रही है? क्या बुनकरों का पलायन और इंडस्ट्री का डाउनफॉल सिस्टम की विफलता का नतीजा है? इन सवालों के साथ उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद में कालीन एवं दरी सेक्टर के प्रतिनिधि, विक्रम कार्पेट्स के सीईओ और हथकरघा हस्तशिल्प निर्यातक कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अटल सम्मान 2024 से सम्मानित ऋषभ कुमार जैन जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद करेंगे। ऋषभ जैन की मुख्यमंत्री से यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब कालीन इंडस्ट्री लगातार गिरावट और कारीगरों के पलायन से जूझ रही है। 'हिन्दुस्थान समाचार' से खास बातचीत में ऋषभ कुमार जैन ने कहा कि चुनावी माहौल यानी 4 मई के बाद मीरजापुर-भदोही की कालीन इंडस्ट्री और बुनकरों, कारीगरों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इस अहम मुलाकात में कालीन इंडस्ट्री के लगातार गिरते हालात को प्रमुखता से उठाया जाएगा। खासतौर पर बुनकरों, मजदूरों और छोटे कारीगरों की आर्थिक बदहाली पर सरकार का ध्यान खींचा जाएगा। ऋषभ जैन ने कहा कि भारतीय कारीगरी को दुनिया में सबसे ऊंचा स्थान दिलाना हमारा लक्ष्य है। जब कारीगर ही इंडस्ट्री छोड़ रहे हैं तो यह लक्ष्य कैसे हासिल होगा? पारंपरिक कला को बचाने के लिए दीर्घकालिक नीति का भी अभाव है। सरकार से उनकी मांग है कि फाइनेंशियल सपोर्ट सिर्फ एक्सपोर्टर्स तक सीमित न रहे। बुनकरों और श्रमिकों का व्यापक रजिस्ट्रेशन कर डेटा बेस तैयार किया जाए। सीधे कारीगरों तक फाइनेंशियल सपोर्ट दी जाए। इंडस्ट्री को ऑर्गेनाइज्ड ढांचे में लाकर सीधी सहायता और पलायन रोकने के लिए विशेष पैकेज दी जाए।

पीढ़ियों की पहचान गढ़ते हैं करघे, इतिहास न बन जाए विरासत स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कालीन इंडस्ट्री को संगठित करने और कारीगरों का रजिस्ट्रेशन करने में न तो विभाग सक्रिय दिख रहा है और न ही कोई ठोस पहल जमीन पर नजर आ रही है।

कीव को बंदूकधारी ने दहलाया, पांच लोगों को भूना, 15 घायल

एजेंसी

कीव : यूक्रेन की राजधानी कीव में शनिवार को स्वचालित हथियार से लैस एक व्यक्ति ने जमकर खूनखराबा किया। सड़क पर जो भी दिखाई दिया, उसे गोलियों से भून दिया। इसके बाद बंदूक लहराता हुआ सुपर मार्केट में घुस गया और कुछ लोगों को बंधक बना लिया। विरोध करने पर एक व्यक्ति को गोली मार दी। इस व्यक्ति ने करीब एक घंटे तक पुलिस को छकाया। इस गोलीबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सभी बंधकों को छुड़ा लिया है। इस अभियान में यह नरभक्षी भी मारा गया। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के अटॉर्नी जनरल रुस्लान क्रावचेंको ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मॉस्को में जन्मे इस व्यक्ति की आयु 58 वर्ष थी। पुलिस ने सुपर मार्केट में उसे मार गिराने में सफलता हासिल की। सभी बंधकों को रिहा करा लिया गया। क्रावचेंको ने बताया कि अधिकारी इस अपराध के हालात और इसके पीछे के मकसद का पता लगाने में जुटे हैं। वह इसे एक आतंकवादी घटना के तौर पर भी देख रहे हैं। क्रावचेंको ने बताया कि इस व्यक्ति ने कीव के होलोसीव्स्की जिले की एक सड़क पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। इसके बाद वह सुपर मार्केट में घुस गया। कुछ लोगों को बंधक बनाकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। क्रावचेंको ने बताया कि बंदकूधारी ने एक स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया।

कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को के अनुसार, 15 घायलों में नौ का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। छह लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि बंधकों को छुड़ाने के लिए नेशनल पुलिस की रैपिड रिस्पॉन्स यूनिट की मदद लेनी पड़ी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि जांचकर्ता फिलहाल उसके बारे में हर मुमकिन जानकारी जुटाने और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने ऐसा क्यों किया। जेलेंस्की ने बताया कि बंदूकधारी यूक्रेन के दोनेत्स्क इलाके में काफी समय से रह रहा था। जिस अपार्टमेंट में शूटर के रहने का पता दर्ज था, हमले के लगभग उसी समय उसमें भीड़ ने आग लगा दी।

बिना स्वीकृत बजट के बिजली लाइन शिफ्ट करने में जेई सस्पेंड

एजेंसी

फरुर्खाबाद : उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले के ग्राम नेकपुर खुर्द में बिना स्वीकृत एस्टीमेट के 11 केवी विद्युत लाइन शिफ्ट किए जाने का मामला सामने आने के बाद विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर प्रभारी अवर अभियंता (जेई) रमेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उक्त मामला उस समय उजागर हुआ जब खेत के बीच से गुजर रही 11 केवी लाइन को बिना अनुमति और बिना तकनीकी स्वीकृति के किनारे शिफ्ट कर दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर किए गए स्थलीय निरीक्षण में पाया गया कि लाइन के पोल को जल्दबाजी में हटाकर किनारे स्थापित कर दिया गया था। मौके पर खुदाई के निशान भी मिले, जबकि खेत का बाकी हिस्सा सामान्य स्थिति में था। जांच में यह भी सामने आया कि लाइन के एक फेज पोल की अर्थिंग टूटी हुई थी और तार जमीन के काफी करीब लटक रहा था, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई थी। पोल पर लगा स्टे वायर भी टूटा पाया गया और उसका दूसरा सिरा जमीन पर लटक रहा था। इसके अलावा पास से गुजर रही फोन लाइन भी अत्यंत नजदीक थी, जो संभावित दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकती थी। प्रभारी जेई रमेश कुमार से जब इस संबंध में नोटिस, स्वीकृति या शिफ्टिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने केवल अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही, लेकिन विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

प्रधानमंत्री मोदी की पश्चिम मेदिनीपुर में विजय संकल्प जनसभा आज

एजेंसी

खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) : विधानसभा के चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिलों में शनिवार को विभिन्न राजनीतिक दलों ने दिनभर अलग-अलग क्षेत्रों में जनसभाएं व रैलियां कर अपने-अपने उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन मांगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आज बेलदा स्टेडियम में विजय संकल्प जनसभा होने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम मेदिनीपुर के नारायणगढ़ स्थित बेलदा स्टेडियम में विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे झाड़ग्राम में भी एक जनसभा करेंगे। शनिवार को झाड़ग्राम जिले के नयाग्राम विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल उम्मीदवार दुलाल मुर्मु के समर्थन में अभिनेता और घाटाल सांसद देव (दीपक अधिकारी) ने जनसभा को संबोधित किया।

वहीं, पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दांतन क्षेत्र के कल्याणपुर में भाजपा प्रत्याशी अजीत कुमार जाना के समर्थन में विजय संकल्प सभा आयोजित की गई। इस सभा को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा ने संबोधित किया।उन्होंने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में बेरोजगारी और हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों से आगामी चुनाव में बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की। खड़गपुर के झापेटापुर इलाके में भाजपा नेता दिलीप घोष के समर्थन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। रैली में विशेष रूप से खड़गपुर के यादव समाज के बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे और अपने प्रसिद्ध लाठी-खेल की प्रस्तुति भी दी।

अरुणाचल के पवित्र जुड़वां सरोवरः जहां हिमालय की गोद में बसती है आस्था, प्रकृति और विरासत की अनंत कहानी

ओम पराशर

अरुणाचल : प्रदेश के दूरस्थ अपर सुबनसिरी जिले की ऊंची पहाड़ियों के बीच बसे सुगोर त्सो और अपर सुगोर त्सो केवल दो झीलें नहीं, बल्कि प्रकृति, आध्यात्म, संस्कृति और राष्ट्रीय महत्व का अद्भुत संगम हैं। हिमनदों से निकलने वाली धाराओं से निर्मित ये जुड़वां सरोवर भारत-तिब्बत सीमा के निकट स्थित हैं और पूर्वी हिमालय की गोद में ऐसी विरासत को संजोए हुए हैं, जो आज भी समय की सीमाओं से परे है। करीब 4,065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इन झीलों का निर्मल जल वर्ष भर बहता रहता है। यही जल आसपास के बिदाक और गेलेमो जैसे गांवों के जीवन का आधार है। सदियों से टैगिन, आदि और मोनपा जनजातियों के लिए ये झीलें जल, जीवन और विश्वास का प्रमुख स्रोत रही हैं।

आस्था का केंद्र, जहां बुद्ध के पदचिह्नों की मान्यतासुगोर त्सो और अपर सुगोर त्सो का महत्व केवल प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है। स्थानीय समाज और बौद्ध समुदाय के लिए ये स्थल अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। मान्यता है कि ज्ञान की खोज के दौरान भगवान बुद्ध इस क्षेत्र से गुजरे थे और उन्होंने इन झीलों के आसपास समय बिताया था।

इसी विश्वास ने इन झीलों को आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना दिया। आज भी यहां प्रार्थना, पूजा, अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराएं जीवित हैं। स्थानीय लोग इन झीलों को शांति, पवित्रता और आत्मिक शक्ति का प्रतीक मानते हैं।

मोनपा सहित कई जनजातीय समुदाय आज भी भूमि, पर्वत और जल से जुड़ी पारंपरिक मान्यताओं का पालन करते हैं। उनके लिए यह क्षेत्र केवल भूगोल नहीं, बल्कि पूर्वजों की धरोहर है।

पूर्वी हिमालय की जैव विविधता का खजानाये जुड़वां झीलें पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनके आसपास का इलाका पूर्वी हिमालय के जैव विविधता क्षेत्र का हिस्सा है, जहां दुर्लभ वनस्पतियां और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाने वाले जीव-जंतु निवास करते हैं। इन झीलों का जल नीचे बसे गांवों, खेतों और प्राकृतिक तंत्र को जीवन देता है। बदलते मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने और जलवायु परिवर्तन के खतरे के बीच इन झीलों का संरक्षण अब पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

यदि इन प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियां हिमालय की इस अनुपम संपदा से वंचित हो सकती हैं। सीमा पर स्थित, इसलिए सामरिक रूप से भी अहमभारत-तिब्बत सीमा के समीप स्थित होने के कारण सुगोर त्सो और अपर सुगोर त्सो का सामरिक महत्व भी बहुत बड़ा है। ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित झीलें अक्सर प्राकृतिक संकेतक और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान मानी जाती हैं। अरुणाचल प्रदेश में तेजी से बढ़ते आधारभूत ढांचे के बीच इन झीलों की उपयोगिता पर्यावरण और सुरक्षा, दोनों दृष्टियों से बढ़ गई है। ईको पर्यटन का नया स्वर्ग बन सकता है यह क्षेत्रकठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित पहुंच के बावजूद इन झीलों में ईको पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। शांत वातावरण, स्वच्छ जल, बर्फ से ढके पर्वत और आध्यात्मिक इतिहास किसी भी यात्री को आकर्षित कर सकते हैं। यदि योजनाबद्ध और संतुलित तरीके से पर्यटन विकसित किया जाए, तो इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और दुनिया इस अनछुए हिमालयी स्वर्ग से परिचित हो सकेगी। हालांकि विकास ऐसा हो, जो प्रकृति और सुरक्षा दोनों का सम्मान करे।

न्यूज IN ब्रीफ

इस्लामाबाद में कूटनीतिक हलचल तेज, रावलपिंडी में चप्पा-चप्पा निगरानी में

इस्लामाबाद : पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद में बढ़ी हुई कूटनीतिक गतिविधियों के चलते रावलपिंडी जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा योजना को अंतिम रूप देते हुए कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की है। रावलपिंडी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी खालिद हमदानी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए प्रतिबंध आज रात 12 बजे से लागू हो जाएंगे दूनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, खालिद हमदानी की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक में मौजूदा सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा भी की गई। बैठक में रावलपिंडी के सभी थानों के प्रभारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि सारे जिले सशस्त्र पुलिस नाके लगाए जाएंगे। किसी भी व्यक्ति को पूरी तरह से तलाशी लिए बिना और वैध पहचान पत्र दिखाए बिना शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। इन व्यापक प्रतिबंधों के तहत रावलपिंडी शहर के भीतर सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से निलंबित रहेगा। सभी अंतर-शहरी परिवहन टर्मिनल और बस स्टैंड यात्रियों के लिए बंद रहेंगे। इसके अलावा शहर की सीमा के भीतर भारी वाहनों की आवाजाही पर भी सख्त प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंधों की अवधि के दौरान सभी बड़े और छोटे बाजारों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। पूरे शहर में पेट्रोल पंप भी आधी रात से अपना संचालन बंद कर देंगे। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि ये कदम इस्लामाबाद में चल रही कूटनीतिक गतिविधियों से जुड़ी एक समन्वित सुरक्षा प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं, जिसके तहत पूरे क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उच्च सतर्कता की स्थिति में रखा गया है। इस सुरक्षा योजना में निगरानी और प्रवर्तन के कई स्तर शामिल हैं।

उत्तराखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी और मैदानों में गर्मी होगी तेज

देहरादून : उत्तराखंड में फिर एक बार पर्वतीय जिलों में मौसम में बदलाव के संकेत हैं। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के चार हजार मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। रविवार को मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों के लिए ह्यवॉचह्ल अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी गई है कि कुछ स्थानों पर गिरने के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की वर्षा, गर्जन के साथ वर्षा, बर्फबारी उंचाई क्षेत्रों में होने की संभावना है। राज्य के शेष जिलों में मौसम शुष्क रहने के साथ गर्मी में इजाफा देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे में मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया, जिससे दिन के समय गर्मी का असर बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2-3 दिन में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे गर्मी और तीव्र हो सकती है। राजधानी देहरादून में आसमान साफ से आंशिक रूप से बादलयुक्त रहने का अनुमान है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में गरज वाले बादल विकसित हो सकते हैं, लेकिन दिन के समय तेज धूप के कारण गर्मी बनी रहेगी। यहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को खराब मौसम और तेज हवाओं के प्रति सतर्क रहने को कहा गया है।

रायपुर में देर रात युवक को चाकू मारकर लूटा

रायपुर : राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना में बीती देर रात कैटरिंग का काम कर लौट रहे युवक को चाकू मारकर लूट लिया गया। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात शंकर नगर-कचना-मंदिर हसौद पहुंच मार्ग पर कैटरिंग का काम कर लौट रहे बाल करण वर्मा को अज्ञात बदमाशों ने चाकू मारकर लूट लिया। लूटेरों ने पता पूछने के नाम पर पीड़ित को रोका। मोटरसाइकिल रोकते ही अज्ञात लुटेरों ने गाड़ी की चाबी निकालकर लूटपाट शुरू की। विरोध करने पर पीड़ित के जांघ, घुटना, हाथ और पैर में चाकू मारकर घायल किया। उसके बाद पर्स, मोटरसाइकिल की चाबी लेकर 3 मोटरसाइकिल में सवार होकर फरार हो गए। स्थानीय रहवासियों ने सड़क पर घायल पड़ा देखकर मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

परशुराम जयन्ती धर्म, शौर्य और नैतिक नेतृत्व का अद्भुत संगमःप्रो. बिहारी लाल शर्मा

वाराणसी : वैशाख शुक्ल तृतीया रविवार को भगवान परशुराम की जयन्ती श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाई जा रही है। इस अवसर पर सम्पूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि समकालीन समाज के लिए एक सशक्त नैतिक-दर्शन प्रस्तुत करता है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था। कुलपति प्रो.शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान परशुराम, जिन्हें भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है,ज्ञान और शक्ति के अद्वितीय समन्वय के प्रतीक हैं। महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र परशुराम ने तप, त्याग,संयम और शौर्य के माध्यम से धर्म की पुनःस्थापना का कार्य किया। कार्तवीर्य अर्जुन जैसे अत्याचारी शासकों के विरुद्ध उनका संघर्ष इस तथ्य को रेखांकित करता है कि शक्ति का प्रयोग सदैव न्याय और लोककल्याण के लिए होना चाहिए। प्रो. शर्मा ने कहा कि समसामयिक सन्दर्भों में हम देखते हैं कि वर्तमान युग में, जब समाज विभिन्न प्रकार की विषमताओं, नैतिक चुनौतियों और मूल्यों के संकट से जूझ रहा है, तब भगवान परशुराम का आदर्श मार्गदर्शक बनकर सामने आता है। भगवान परशुराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि शासन-व्यवस्था और नेतृत्व का आधार नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण होना चाहिए। आज की शिक्षा-व्यवस्था में केवल ज्ञानार्जन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि चरित्र-निर्माण और आत्मानुशासन का समावेश भी अनिवार्य है। भगवान परशुराम ह्यब्राह्मतेजह्ल और ह्यक्षात्रतेजह्ल के समन्वय के प्रतीक हैं, जो यह सन्देश देते हैं कि समाज में सन्तुलित विकास के लिए बौद्धिक क्षमता और साहस–दोनों का होना आवश्यक है। कुलपति ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अन्याय और अधर्म के विरुद्ध सजग रहें तथा अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान बनें। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में आत्मसंयम, अनुशासन और नैतिकता का महत्व और भी बढ़ गया है, जिसे अपनाकर ही एक सशक्त और संस्कारित समाज का निर्माण किया जा सकता है। पर्यावरण-संरक्षण के संदर्भ में भी भगवान परशुराम के जीवन को प्रासंगिक बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ सन्तुलित सह-अस्तित्व आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परशुराम के जीवन में निहित यह सन्देश वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए प्रेरणादायक है। वस्तुतः भगवान परशुराम की जयन्ती हमें यह संकल्प लेने का अवसर प्रदान करती है कि हम अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में धर्म, न्याय और करुणा के सिद्धान्तों का पालन करें।

डालसा की टीम ने केंदुआडीह गैस प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

धनबाद: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर गठित डालसा की विशेष टीम ने शनिवार को केंदुआडीह में भू-धंसान व गैस प्रभावित इलाके का दौरा किया। टीम पहले केंदुआ पहुंची। इस दौरान टीम ने गैस रिसाव क्षेत्र को देखा। नया धौड़ा के प्रभावितों से मिल कर स्थिति की जानकारी ली। अग्नि प्रभावित व भू-धंसान क्षेत्र में रह लोगों के पुनर्वास और मुआवजा को लेकर उपायुक्त व बीसीसीएल से समन्वयव स्थापित कर बात करने की बात कही। ताकि प्रभावितों को जल्द पुनर्वास व मुआवजा मिल सके। धनबाद-केंदुआ मार्ग के बारे में कहा कि उपायुक्त मामले को देख रहे हैं। जबतक इसका स्थाई समाधान नहीं निकलेगा, मार्ग बंद रहेगा। रैयतों को बीसीसीएल द्वारा रैयत नहीं मानने के बाबत कहा कि जानकारी मिली है जजमेंट का अध्ययन कर विचार किया जायेगा। प्रभावितों को सरकारी सुविधाएं दिलाने में सहयोग किया जायेगा। इस बाबत विस्तृत रिपोर्ट प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को सौंपी जायेगी। टीम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, योगेश कुमार शामिल थे। मौके पर केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि गोविंद राउत आदि थे।

असामाजिक तत्वों ने अंबेडकर चौक नामकरण बोर्ड को किया क्षतिग्रस्त, लोगों में आक्रोश

जमशेदपुर : बागबेड़ा लाल बिल्डिंग स्थित शिव साईं मंदिर के समीप शुक्रवार को बाबा भीमराव आंबेडकर चौक नामकरण बोर्ड को असामाजिक तत्वों को क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह को जब स्थानीय मुखिया मायावती टुडू व झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बहादुर किस्कू को जानकारी हुई, तो उन्होंने आक्रोश प्रकट किया। उन्होंने बागबेड़ा थाना में जाकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ लिखित शिकायत की है।इधर, मुखिया मायावती टुडू, झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बहादुर किस्कू समेत अन्य ने आंबेडकर चौक नामकरण बोर्ड को स्थानीय लोगों की मदद से पुनः दुरुस्त करवाया। बहादुर किस्कू ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर हम सबों के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके नाम से स्थापित नामकरण बोर्ड को क्षतिग्रस्त करना उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाता है। असामाजिक तत्व इस तरह के करतूतों से बाज आये, अन्यथा बस्तीवासी उनसे सख्ती से पेश आयेगा। इस मौके पर मुखिया मायावती टुडू, मुखिया उषा मुंडा, पंसस सुनील गुप्ता, सुरेश निषाद, संजय महतो, सुनील नामता, संतोष करुवा, राज कुमार बेहरा, केडी मुंडा समेत अन्य मौजूद थे।

जमीन विवाद में बुजुर्ग से मारपीट दो गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के कोदलया गांव में जमीन को लेकर हुई मारपीट में शुक्रवार शाम एक बुजुर्ग घायल हो गया। इस मामले में हंटरगंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पिछले कई वर्षों से रामचंद्र साव और बिहारी साव के बीच जमीन बटवारा को लेकर मामला न्यायालय में लंबित है। इसी बीच बिहारी साव के जमीन की बिक्री की गई। इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। हालांकि पुलिस शुक्रवार दोपहर मौके पर पहुंची और दो पक्षों को समझा -बुझाकर मामला शांत करवाया। पुलिस टीम गांव से जैसे ही निकली रामचंद्र साव और विजय साव की बीच फिर से नौकझोक होनी शुरू हो गई। इसी दौरान मारपीट होनी शुरू हो गईं। जिसमें कोदलया निवासी 60 वर्षीय विजय साव के सिर में चोट लगने से घायल हो गया और वह अचेत अवस्था में जमीन पर गिर पड़ा। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बुजुर्ग को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया।इस घटना के बाद पीड़ित परिवार न्याय की मांग लेकर हंटरगंज थाना पहुंचा और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेजा दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा अर्चना

देवघर: रविवार को झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचन्द्र सोनक ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व तीर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात मुख्य न्यायाधीश द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गयी। इसके अलावा पूजा अर्चना के बाद मौके पर उपस्थित बाबा मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने मुख्य न्यायाधीश को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र एवं बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद प्रदान किया।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम कल से

बासुकीनाथ: जरमुंडी प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। अंजु कुमारी ने बताया कि दुमकाजिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु दिनांक 20 अप्रैल से 5 मई तक जिले के सभी प्रखण्डों के फाइलेरिया अति प्रभावित गाँवों में फाईलेरिया उन्मूलन के तहत फोकल मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम निर्धारित है। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 20 अप्रैल 2026 को बूथ स्तर पर दवा वितरण किया जाएगा, जबकि 21 अप्रैल 2026 से 05 मई 2026 तक दवा प्रशासकों द्वारा घर-घर जाकर आमजन को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को दवा का सेवन नहीं कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया है कि अभियान को सफल बनाने हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा अधिकतम लोगों तक दवा का सेवन सुनिश्चित करें।

श्रावण माह से पूर्व कार्य पूर्ण किया जाये: उपायुक्त

संवाददाता

दुमका: समाहरणालय के सभागार कक्ष में शनिवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को भू-अर्जन, पथ निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एवं रेलवे से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कार्यों में आ रही समस्याओं पर संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने बासुकीनाथ- दुमका पथ निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि श्रावण माह से पूर्व निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि आमजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

बैठक के दौरान लंबित दाखिल-खारिज मामलों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को इनके शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों को लंबित नहीं रखने तथा सभी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा राजस्व, आंतरिक संसाधन एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी संबंधित विभाग को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, भू-अर्जन की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने तथा जनहित से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

बैठक में अपर समाहर्ता राजीव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

एसकेएमयू में 142 स्नातक प्रशिक्षुओं के चयन हेतु विज्ञापन जारी

संवाददाता

दुमका: सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा 142 स्नातक प्रशिक्षुओं के चयन हेतु आधिकारिक विज्ञापन जारी किया गया है। इस पहल के तहत झारखंड राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज से वर्ष 2021 से 2025 के बीच स्नातक(यूजी) उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से अभ्यर्थियों के स्नातक में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर की जाएगी।

चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में एक वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रतिमाह 12,000 रुपया का स्टाइपेंड दिया जाएगा। एक वर्ष के प्रशिक्षण पूर्ण होने पर अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्नातक प्रशिक्षु योजना केंद्र सरकार द्वारा पूर्व से संचालित की जा रही है, जिसे अब झारखंड सरकार द्वारा भी अपनाया गया है। प्रारंभ में इसे तकनीकी संस्थानों में लागू किया गया था, किन्तु अब इसे गैर-तकनीकी संस्थानों में भी विस्तारित कर दिया गया है। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं उसके अंगीभूत महाविद्यालयों में सृजित गैर-शैक्षणिक (नॉन-टीचिंग) पदों के लगभग 15 प्रतिशत पदों को स्नातक अप्रेंटिस के लिए निर्धारित किया है।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में वर्ष 2023 में इस योजना के अंतर्गत पद सृजित किए गए थे, जिनके तहत विश्वविद्यालय मुख्यालय सहित कुल 21 महाविद्यालयों में 142 पद सृजित हैं। अन्य विश्वविद्यालयों में वर्ष 2024 एवं 2025 में दो बार इस प्रकार की चयन प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है, जबकि सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में यह पहली बार लागू किया जा रहा है।

चयन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से राज्य सरकार के अप्रेंटिसशिप मैनेजमेंट पोर्टल के जरिए संपन्न होगी। आवेदन की तिथि 20 अप्रैल से 5 मई निर्धारित की गई है। पात्र अभ्यर्थियों को सबसे पहले नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्किम के आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा, इसके पश्चात झारखंड सरकार के अप्रेंटिसशिप मैनेजमेंट पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रत्येक महाविद्यालय में स्थापित स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर के माध्यम से ही आवेदन करें तथा बाहरी साइबर कैफे से आवेदन करने से बचें, क्योंकि इन केंद्रों के संचालकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। बता दे सिदो कान्हु मुर्मू विवि के सभी कॉलेजों में छात्रों को ऑनलाइन सेवा के लिये स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर सेंटर खोला गया है।

विज्ञापन के अनुसार विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के सामान्य शाखा के पदों के लिए किसी भी विषय से स्नातक पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए संबंधित विषय में स्नातक होना आवश्यक है। लेखा अनुभाग के लिए बी.कॉम, बी.ए। (अर्थशास्त्र), बीबीए अथवा बीएससी (सांख्यिकी) योग्यता अनिवार्य है, जबकि पुस्तकालय पद के लिए बी.लिब की योग्यता आवश्यक रखी गई है। अभ्यर्थी यदि एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो उन्हें प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। विवि द्वारा कोई भी आवेदन शुक्ल निर्धारित नही है। छात्र निःशुल्क ऑनलाईन आवेदन कर सकतें है।

कॉलेजवार कुल रिक्तियां

विश्वविद्यालय मुख्यालय, दुमका - 20
एएस कॉलेज, देवघर - 10
बीएस.के। कॉलेज, बरहरवा - 7
देवघर कॉलेज, देवघर - 8
गोड्डा कॉलेज, गोड्डा - 9
जामताड़ा कॉलेज, जामताड़ा - 5
के. के.एम। कॉलेज, पाकुड़ - 5
मधुपुर कॉलेज, मधुपुर - 7
महिला कॉलेज, पाकुड़ - 4
महिला कॉलेज, साहिबगंज - 4
मिल्लत कॉलेज, पर्सा - 5
मॉडल कॉलेज, राजमहल - 4
मॉडल कॉलेज, पाकुड़ - 4
मॉडल कॉलेज, विजयपुर - 4
मॉडल महाविद्यालय, नवाडीह (पालाजोरी), देवघर - 4
मॉडल महाविद्यालय, सुगाबाथान (पोरैयाहाट), गोड्डा - 4
आरडीबीएम कॉलेज, देवघर -4
एसआरटी। कॉलेज, धमरी, गोड्डा - 4
साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज -10
संताल परगना कॉलेज, दुमका-10
संताल परगना महिला कॉलेज, दुमका -10

श्रेणीवार कुल रिक्तियां
वफ(सामान्य वर्ग) - 62 पद
एसटी(अनुसूचित जनजाति) -35 पद
एससी(अनुसूचित जाति) - 15 पद
बीसी-1 - 13 पद
बीसी-2- 6 पद
ईडब्ल्यूएस- 11 पद
कुल पद - 142

नोट- सभी पद सरकार द्वारा वर्ष 2023 में सृजित किया गया है।

विवि प्रशासन ने अपने विज्ञापन में स्पष्ट किया है कि यह कोई स्थायी नौकरी नहीं है, बल्कि एक वर्ष की अवधि के लिए स्थानीय छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा तथा उनके साथ किया गया अनुबंध स्वतः समाप्त हो जाएगा। किसी भी स्थिति में सेवा विस्तार का प्रावधान नहीं है। इस चयन से न केवल स्थानीय छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, बल्कि विश्वविद्यालय के गैर-शैक्षणिक कार्यों में भी प्रशिक्षुओं का सहयोग मिलेगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की संभावना है।

देवघर के 47वें उपायुक्त के रूप में शशि प्रकाश सिंह ने किया पदभार ग्रहण

देवघर: शनिवार को देवघर जिला के 47वें उपायुक्त के रूप में शशि प्रकाश सिंह ने निवर्तमान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा से पदभार ग्रहण किया।

इस मौके पर मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा आमजनों के अलावा सभी स्टेक होल्डर, मीडियाबन्धु, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय बेहतर तरीके से स्थापित हो ताकि एक बेहतर प्रशासनिक माहौल में सभी कार्य संपन्न होता रहे। आगे उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम पायदान के व्यक्ति को लाभान्वित करने का प्रयास रहेगा। इसके साथ हीं धरातल पर सरकार की शत प्रतिशत योजनाओं को पहुँचाने का प्रयास किया जायेगा, ताकि वंचित लाभुकों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ अच्छादित किया जा सके।

सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 95% अंक लाकर यश कुमार ने माहुरी वैश्य समाज का नाम किया रोशन

जयनगर: प्रखंड के परसाबाद निवासी पत्रकार संजय गुप्ता के पुत्र एवं कटिया पंचायत के पूर्व समिति सदस्य राजकुमार गुप्ता के भतीजा यश कुमार गुप्ता ने सीबीएसई के द्वारा जारी किए गए बोर्ड परीक्षा में 95% अंक लाकर माहुरी वैश्य समाज का नाम रोशन किया है। यश कुमार बचपन से ही सीबीएसई मान्यता प्राप्त नेशनल पब्लिक प्लस तू उच्च विद्यालय परसाबाद स्टेशन रोड में ही पढ़ाई किया। पूछे जाने पर यश कुमार ने बताया कि कुलदेवी मां मथुरासिनी के आशीर्वाद, विद्यालय के डायरेक्टर प्रिंसिपल एवं शिक्षकों के द्वारा दी गई ज्ञान और हमारे बचपन से अभी तक आदर्श गुरु पूजनीय सच्चिदानंद कुमार, संजीव पाठक, विश्वजीत कुमार, और हमारी बहन श्रद्धा गुप्ता के गाइडलाइन एवं दिशा निर्देश की कृपा से सफलता मिली। समाज के लोगों ने बताया कि निश्चित तौर पर कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती है इसी तरह का उदाहरण यश कुमार के द्वारा साबित करके दिखाया गया है। लोगों ने बताया कि आज हमारे समाज के बच्चे बच्चियों कड़ी मेहनत करके अच्छे-अच्छे पोस्ट हासिल करके पूरा समाज का नाम रोशन किया है। इस सराहनीय कार्य के लिए संरक्षक ओम प्रकाश सेठ, राजकुमार गुप्ता, महेंद्र सेठ, अविनाश गुप्ता, शिक्षक आशीष सेठ, राहुल सेठ अश्विनी सेठ, सौरभ सेठ, अविनाश भदानी,रवि भदानी, सुरज भदानी, उत्सव भदानी, आशीष भदानी मनी भदानी, पीयूष भदानी, महिला अध्यक्ष नेहा सेठ, उप मुखिया नीलू भदानी, टिंकी भदानी, संगीता भदानी, नीलम सेठ सुनीता बैसखियार, संगीता सेठ, कविता कुमारी, बबीता कुमारी, राखी भदानी, पल्लवी सेठ, नं सहित कई लोगों ने उज्जवल भविष्य का कामना करते हुए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दिए हैं।

गूंजेंगे आध्यात्मिक स्वर, स्वामी युगल शरण जी देगें जीवन के रहस्यों पर दिव्य प्रवचन

मेदिनीनगर : ब्रज गोपीका सेवा मिशन, मेदिनीनगर के तत्वावधान में एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पूज्य जगतगुरु श्री कृपालु जी महाराज के प्रमुख प्रचारक पूज्य श्री स्वामी युगल शरण जी अपने दिव्य प्रवचनों एवं मधुर भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देंगे। स्वामी जी जीवन से जुड़े गहन प्रश्नों—मैं कौन हूँ, मेरा वास्तविक संबंध किससे है, मानव जीवन का उद्देश्य क्या है तथा जीवन का लक्ष्य क्या होना चाहिए—जैसे विषयों पर प्रकाश डालते हुए शंकाओं का समाधान करेंगे। उनके प्रवचन न केवल आध्यात्मिक जिज्ञासाओं को शांत करेंगे, बल्कि जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे। कार्यक्रम मेदिनीनगर के रेडमा चौक स्थित ललिता श्री होटल में आयोजित होगा। यह आयोजन प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे से 8:30 बजे तक तथा शाम 4:30 बजे से 8:30 बजे तक चलेगा, जिसमें रूप ज्ञान एवं साधना पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। ब्रज गोपीका सेवा मिशन के संयोजक द्वय जगन प्रसाद एवं संजय कुमार अकेला ने नगरवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाएं और जीवन दर्शन के रहस्यों को समझें। विदित हो कि ब्रज गोपीका सेवा मिशन, मेदिनीनगर समय-समय पर श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक उत्थान के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है तथा प्रेम रस सिद्धांत के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

अलप्पुझा एक्सप्रेस से 34 किलो गांजा के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता

धनबाद: रेलवे स्टेशन पर अपराध आसूचना शाखा व रेल पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। रेल पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है जबकि मुख्य सरगना फरार हो गया। पुलिस ने दोनों के पास से लगभग 33 किलो 880 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख 94 हजार रुपये बतायी जा रही है। रेल पुलिस ने कंचन देवी उर्फ राखी (40) तथा रामचंद्र हरिजन उर्फ छोटू दास (19) को गिरफ्तार कर लिया है जबकि सरगना ओडिशा के अंगुल जिला के जंबुनाली बोंड निवासी विजय माहापात्रा भागने में सफल रहा।

आरपीएफ ने बताया कि शनिवार को अपराध आसूचना शाखा धनबाद को मुखबिर से जानकारी मिली कि गाड़ी संख्या 13352 एलेप्पी एक्सप्रेस से एक महिला और एक पुरुष दो ट्रॉली बैग में गांजा लेकर ओडिशा से धनबाद आ रहे हैं। इस पर अपराध आसूचना शाखा, आरपीएफ पोस्ट तथा जीआरपी धनबाद की संयुक्त टीम ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 07/08 पर सुबह 10.40 बजे सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान एक महिला और पुरुष को दो ट्रॉली बैग के साथ पकड़ा गया। तलाशी लेने पर दोनों बैगों में 16-16 पैकेट गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गांजा ओडिशा के संबलपुर से लाया गया था और इसे डेहरी लेकर जाने की योजना थी। इस काम के बदले दोनों को पांच-पांच हजार रुपये मिले थे।

गिरफ्तार महिला व पुरुष बिहार के बांका के रहने वालेः जांच और पूछताछ में पता चला कि गांजा ओडिशा के अंगुल जिले के जंबुनाली गांव निवासी विजय माहापात्रा का था, जो उसी ट्रेन से धनबाद आया था, लेकिन साथियों के पकड़ाने के बाद वह फरार हो गया। मामला एनडीपीएस एक्ट से संबंधित होने के कारण राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में कार्रवाई करते हुए गांजा जब्त किया गया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार कंचन देवी उर्फ राखी तथा रामचंद्र हरिजन उर्फ छोटू दास मूलतः बिहार के बांका जिले के रहने वाले और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दमान में रह रहे थे। प्रारंभिक जांच में दोनों का आपराधिक इतिहास नहीं मिला, हालांकि महिला ने पूर्व में एक मामले में जेल जाने की बात स्वीकार की है।